page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/23/2025 1:00 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 मुख्यमंत्री उमर ने 'सामंजस्य' नामक एक कॉफी टेबल बुक का किया विमोचन

5 पाकिस्तान से मात खाने के बाद वैभव सूर्यवंशी खेलेंगे अब ये बड़ा टूर्नामेंट

8 भाजपा जम्मू-कश्मीर ने श्रीनगर के लाल चौक पर स्वदेशी संकल्प अभियान किया शुरू

मौसम जम्मू — न्यूनतम 11 — अधिकतम 21

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-314 | जम्मू तवी, मंगलवार 23 दिसम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

भारत न्यूज़ीलैंड ने किया ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता, व्यापार और निवेश में होगा विस्तार

इस कदम से वहां के बाजार भारत के कपड़ा, परिधान, चमड़ा, फुटवियर, समुद्री उत्पाद, रत्न एवं आभूषण, हस्तशिल्प, इंजीनियरिंग वस्तुएं और ऑटोमोबाइल जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी

नयी दिल्ली, 22 दिसंबर। सरकार ने वैश्विक बाजार में भारतीय इकाइयों के लिए अवसर बढ़ाने की दिशा में निरंतर किये जा रहे प्रयासों के बीच सोमवार को न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) सम्पन्न होने की घोषणा की जो इस साल ब्रिटेन और ओमान के साथ हुए व्यापक आर्थिक सहयोग के समझौतों के बाद भारत का तीसरा समझौता है। इसके तहत न्यूज़ीलैंड अपने यहां आयात की जाने वाली सभी तरह की वस्तुओं (अपनी शत-प्रतिशत प्रशुल्क सूचियों) पर शुल्क समाप्त करेगा। इससे वहां भारत से जाने वाले सभी प्रकार के माल को शुल्क मुक्त प्रवेश मिल गया है । इस कदम से वहां के बाजार भारत के कपड़ा, परिधान, चमड़ा, फुटवियर, समुद्री उत्पाद, रत्न एवं आभूषण, हस्तशिल्प, इंजीनियरिंग वस्तुएं और ऑटोमोबाइल जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी।

यह समझौता सेवाओं के क्षेत्र में न्यूज़ीलैंड का अब तक का सबसे महत्वाकांक्षी प्रस्ताव है, जिससे सूचना प्रौद्योगिकी, पेशेवर सेवाएं, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, पर्यटन, निर्माण और अन्य व्यावसायिक सेवाओं में भारतीय सेवा प्रदाताओं के लिए नए अवसर खुलेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की न्यूजीलैंड और प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के बीच आज टेलीफोन पर बातचीत के बाद भारत-न्यूजीलैंड एपुटीए की संयुक्त रूप से घोषणा की गयी। दोनों प्रधानमंत्रियों की इसी वर्ष मार्च में हुई बातचीत के बाद दोनों देशों ने व्यापार समझौते की बातचीत शुरू की थी। दोनों नेताओं ने कहा कि नौ महीने के रिकार्ड कम समय में समझौता वार्ता का पूरा होना साझा महत्वाकांक्षा और राजनीतिक इच्छाशक्ति को दिखाता है। दोनों पक्षों ने कहा है कि यह समझौता दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग को मजबूत करेगा।

उन्होंने कहा है कि इस एफटीए से दोनों देशों के बीच संबंधों का और विस्तार होगा और द्विपक्षीय आर्थिक संबंध मजबूत होंगे । इससे व्यापार में वृद्धि के साथ एक दूसरे के यहां निवेश को भी प्रोत्साहन मिलेगा। इस समझौते की व्यवस्थाओं से दोनों देशों में नवाचार में लगे लोगों, उद्यमियों, किसानों, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), छात्रों और युवाओं के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के नये मौके भी पैदा होंगे।

आतंकवाद और आपराधिक गतिविधियों पर जम्मू-कश्मीर पुलिस की कड़ी नजर : डीजीपी

जम्मू, 22 दिसंबर । जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात ने सोमवार को कहा कि आतंकवाद और अन्य सभी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों पर केंद्र शासित प्रदेश की पुलिस की कड़ी नजर है। उन्होंने कहा कि पुलिस का निरंतर लक्ष्य जम्मू-कश्मीर में सभी प्रकार की राष्ट्रविरोधी और समाजविरोधी गतिविधियों को जड़ से खत्म करना है।

कदुआ में 14वें पुलिस शहीद स्मारक टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट 2025-2026 का उद्घाटन करते हुए डीजीपी ने कहा कि चाहे वह ड्रग्स हो, गैंगस्टर हों, माफिया हों या किसी भी प्रकार का अपराध, विशेषकर आतंकवाद सब कुछ पुलिस की नजर में रहेगा। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षा बल आतंकवादियों, उनके जमीनी कार्यकर्ताओं (ओजीडब्ल्यू), समर्थकों, ड्रग तस्करों और हवाला रैकेट में शामिल लोगों के खिलाफ आक्रामक अभियान चला रहे हैं। समन्वित अभियानों का उद्देश्य आतंकवाद के समर्थन तंत्र को खत्म करके उसके संपूर्ण तंत्र को ध्वस्त करना है। मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले और हवाला रैकेट में शामिल लोग भी पुलिस और सुरक्षा बलों की निगरानी में हैं।

जम्मू-कश्मीर में सीमा पार से होने वाली घुसपैठ, निकासी, मादक पदार्थों की तस्करी और ड्रोन गतिविधियों पर रोक लगाने का दायित्व सेना और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पर है। जम्मू-कश्मीर में 740 किलोमीटर लंबी नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सेना तैनात है और 240 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ का पहरा है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शहीदों की याद में पुलिस महानिदेशक जम्मू-कश्मीर नलिन प्रभात ने खेल स्टेडियम कदुआ में 14वीं पुलिस शहीद स्मारक टी-20 क्रिकेट चैंपियनशिप 2025-26 का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में भीमसेन टूटी आईजीपी जम्मू, शिवकुमार शर्मा डीआईजी जेएसके रेंज, राजेश शर्मा उपायुक्त, मोहिता शर्मा एसएसपी कदुआ सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

डीजीपी ने 14वीं पुलिस शहीद स्मारक टी-20 क्रिकेट चैंपियनशिप का किया उद्घाटन, शहीदों को दी श्रद्धांजलि

कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों के बीच रेल संपर्क से घाटी को बहुत लाभ हुआ है: डॉ. फारूक

जम्मू, 22 दिसंबर । नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला सोमवार को माता वैष्णो देवी के बेस कैंप कटरा से वंदे भारत रेलगाड़ी से श्रीनगर के लिए रवाना हुए।

अधिकारियों ने बताया कि डॉ. फारूक अब्दुल्ला कटरा पहुंचे जहां से उन्होंने वंदे भारत रेलगाड़ी से श्रीनगर के लिए प्रस्थान किया। उन्होंने कहा कि कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों के बीच रेल संपर्क से घाटी को बहुत लाभ हुआ है क्योंकि इससे यहां के निवासियों को हर मौसम में आवागमन की सुविधा मिली है। डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने पत्रकारों से कहा कि वंदे भारत रेलगाड़ी से बहुत लाभ हुआ है। चाहे उड़ानें बंद हों या सड़कें बंद हों, रेलगाड़ी चलती रहेगी। इससे लोगों की समस्याएं कम होंगी।

उन्होंने कहा कि कश्मीर के लोगों के लिए हिमपात वरदान साबित हुआ है क्योंकि इसकी जरूरत थी। उन्होंने आगे कहा कि इससे कुछ समस्याएं कम हुई हैं। हम और हिमपात की प्रार्थना करते हैं क्योंकि यह हमारे लिए लाभकारी होगा। जम्मू और कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल किए जाने के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने कहा यह भी आएगा। समय पर आएगा।

जम्मू कैबिनेट बैठक में महत्वपूर्ण प्रशासनिक और विकासात्मक मामलों पर हुई चर्चा

जम्मू, 22 दिसंबर । मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को जम्मू में कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक और विकासात्मक मामलों पर चर्चा हुई। बैठक में मौजूदा परियोजनाओं की समीक्षा और जन कल्याण से संबंधित समयबद्ध प्रस्तावों को मंजूरी देने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार बैठक में विभिन्न विभागों में चल रहे प्रमुख कार्यों की स्थिति का आकलन किया गया और विलंबित योजनाओं को गति देने के उपायों पर विचार किया गया। कैबिनेट ने केंद्र शासित प्रदेश के विभिन्न जिलों के लिए नियोजित आगामी पहलों के लिए आवश्यक प्रशासनिक स्वीकृतियों पर भी चर्चा की।

बैठक के दौरान मंत्रियों ने मुख्यमंत्री को विभागवार प्रदर्शन, वर्तमान चुनौतियों और चल रहे कार्यक्रमों के तहत हासिल की गई प्रगति के बारे में जानकारी दी। मुख्य रूप से सेवा वितरण में सुधार, संस्थागत तंत्र को मजबूत करने और सार्वजनिक अवसंरचना कार्यों के समय पर निष्पादन को सुनिश्चित करने पर विचार-विमर्श केंद्रित था

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने उधमपुर में ड्रग तस्कर की 1.20 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की

जम्मू, 22 दिसंबर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सोमवार को कहा कि उसने उधमपुर जिले में एक अंतर-जिला ड्रग तस्कर की 1.20 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्ति जब्त की है। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि उधमपुर पुलिस ने पुलिस स्टेशन रेहम्बल में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8, 21 और 22 के तहत दर्ज एफआईआर संख्या 117/2025 के संबंध में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68 (एफ) के तहत लगभग 1.20 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। कुर्क की गई संपत्ति मोहम्मद के बेटे वाहिद मकबूल मीर की है। मकबूल मीर बांदीपुरा जिले के सुंबल के शिल्वेट इलाके का रहने वाला है। कुर्क की गई संपत्तियों में बांदीपोरा जिले के शिल्वेट, सुंबल में सर्वे नंबर 344 (अबादी देह) के अंतर्गत आने वाली आठ मरला भूमि पर बना एक दो मंजिला आवासीय घर शामिल है। दो टिपर वाहनों जेके-19-1061 और जेके-01एन-7343 को भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने कहा कि जांच के दौरान विस्तृत वित्तीय जांच और बैकवर्ड लिंकेज विश्लेषण से पता चला कि आरोपितों ने नशीले पदार्थों की तस्करी से उत्पन्न आय के माध्यम से संपत्तियां हासिल की थीं। बयान में कहा गया कि इन निष्कर्षों के आधार पर सक्षम प्राधिकारी ने आज कुर्की आदेश पारित किया और एनडीपीएस अधिनियम के तहत आगे की कानूनी कार्यवाही चल रही है। पुलिस ने कहा कि इस कार्रवाई के साथ चालू वर्ष के लिए उधमपुर पुलिस की एनडीपीएस संपत्ति कुर्की की संख्या 18.85 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षा बल ड्रग तस्करों ड्रग तस्करों और हवाला लेनदेन और अन्य गैरकानूनी वित्तीय गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ केंद्र शासित प्रदेश भर में आक्रामक अभियान चला रहे हैं। इस तरह की कार्रवाइयों में कड़े कानूनों के तहत आरोपी व्यक्तियों को हिरासत में लेना और इन अवैध गतिविधियों के माध्यम से उत्पन्न धन से बनाई गई संपत्तियों की कुर्की शामिल है। पुलिस का मानना है कि नशीली दवाओं की तस्करी, नशीली दवाओं की तस्करी और हवाला रैकेट से प्राप्त आय का उपयोग अंतत जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बनाए रखने के लिए किया जाता है।

जम्मू में एक्यूआई बिगड़ने पर जेएमसी ने प्रदूषण विरोधी अभियान बढ़ाया

जम्मू, 22 दिसंबर । जम्मू में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) खतरनाक स्तर पर पहुंचने के साथ जम्मू नगर निगम (जेएमसी) ने वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए उपाय तेज कर दिए हैं। जेएमसी आयुक्त डॉ. देवांश यादव के निर्देशों के तहत कार्य करते हुए शहर भर में धूल और कण उत्सर्जन को रोकने के लिए सख्त जमीनी और नियामक कदमों की एक श्रृंखला शुरू की गई है।

वर्तमान में जम्मू का एक्यूआई 226 है जो इसे गंभीर श्रेणी में रखता है। स्थिति को गंभीरता से लेते हुए आयुक्त ने जेएमसी के सभी संबंधित विंगों को तत्काल शमन उपाय लागू करने का निर्देश दिया है। इनमें प्रमुख सड़कों की रात के समय यांत्रिक सफाई, उच्च यातायात वाले क्षेत्रों, बाजारों और निर्माण क्षेत्रों में दिन के समय पानी का छिड़काव और हवा में उड़ने वाली धूल को दबाने के लिए एंटी-स्मॉग गन-माउंटेड वाहनों का उपयोग शामिल है।

निर्माण और विध्वंस गतिविधियों को विनियमित करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। सभी निर्माण स्थलों को हरी चादरों, जूट के कपड़े या प्लास्टिक कवर से ठीक से घेरने का निर्देश दिया गया है जबकि निर्माण सामग्री को साइट

परिसर के भीतर ही संग्रहित किया जाना चाहिए और ढककर रखा जाना चाहिए। सार्वजनिक सड़कों और फुटपाथों पर सामग्री डंप करना या भंडारण करना सख्त वर्जित है। निर्माण सामग्री का परिवहन करने वाले वाहनों को पूरी तरह से ढका हुआ रहना चाहिए, और लोडिंग और अनलोडिंग के दौरान नियमित पानी का छिड़काव अनिवार्य कर दिया गया है। जेएमसी क्षेत्र के अधिकारियों को औचक निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है और धूल प्रदूषण या कुप्रबंधन निर्माण कचरे में योगदान देने वाले उल्लंघनकर्ताओं पर 4,000 से 50,000 तक का सख्त जुर्माना लगाया जा रहा है।

सरकार ने तत्काल प्रभाव से कई प्रशासनिक तबादलों और नियुक्तियों के आदेश किए जारी

श्रीनगर, 22 दिसंबर । जम्मू और कश्मीर सरकार ने सोमवार को तत्काल प्रभाव से कई प्रशासनिक तबादलों और नियुक्तियों के आदेश जारी किए। आदेश के अनुसार जम्मू नगर निगम के उपायुक्त (दक्षिण) लाल चंद जेकेएएस का तबादला कर उन्हें जम्मू-कश्मीर कला, संस्कृति और भाषा अकादमी में अतिरिक्त सचिव के पद पर तैनात किया गया है। एक अन्य कदम के तहत जम्मू में खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले (व्यापार और भंडार) के सहायक निदेशक के पद पर कार्यरत जूनियर स्केल नासिर अहमद बट का तबादला कर दिया गया है। उनकी सेवाएं जम्मू-कश्मीर कला, संस्कृति और भाषा अकादमी को गैर-कैडर आधार पर प्रदान की गई हैं। इसी प्रकार किश्तवाड के नागसेनी स्थित सीडीपीओ नजीब लतीफ जूनियर स्केल जेकेएएस का भी तबादला कर दिया गया है और उनकी सेवाएं जम्मू-कश्मीर कला, संस्कृति और भाषा अकादमी को गैर-कैडर आधार पर प्रदान की गई हैं। इस बीच जम्मू-कश्मीर सरकार के रेजिडेंट कमिश्नर, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात जूनियर स्केल जेकेएएस अभिमन्यु सिंह को वापस बुला लिया गया है। उनकी सेवाएं आगे की तैनाती के लिए सूचना विभाग को सौंप दी गई हैं।

सभी विंटर जोन इलाकों में सोमवार 22 दिसंबर से 10 जनवरी तक प्राइमरी तक कक्षाएं बंद रहेंगी

जम्मू, 22 दिसंबर। बढ़ती ठंड के बीच जम्मू संभाग के विंटर जोन में आज सोमवार से प्री-प्राइमरी से पांचवीं तक की कक्षाएं बंद हो गई। सर्दियों की छुट्टी के चलते सभी विंटर जोन इलाकों में सोमवार 22 दिसंबर से 10 जनवरी, 2026 तक प्राइमरी तक कक्षाएं बंद रहेंगी।जम्मू संभाग के विंटर जोन स्कूलों में चरणबद्ध तरीके से सर्दियों की छुट्टियां डाली जा रही है। 26 दिसंबर से छठी से आठवीं और 29 दिसंबर से नौवीं से बारहवीं तक के स्कूलों में छुट्टियां रहेंगी। सभी कक्षाएं दस जनवरी, 2026 को एक साथ खुलेंगी। उधर बढ़ती सर्दी के बीच प्राइमरी तक स्कूल बंद रखे जाने का लोगों ने स्वागत किया है लेकिन इस सर्दी के बीच लोग सभी कक्षाओं को भी बंद करने की मांग कर रहे हैं पेरेंट्स एसोसिएशन के प्रधान अमित कपूर का कहना है कि यह ठंड सबके लिए है।

वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण आरएफआईडी कार्ड की समय अवधि में किया बदलाव

कटरा, 22 दिसंबर । माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड द्वारा श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण आरएफआईडी कार्ड की समय अवधि में बदलाव किया गए। बदलाव के तहत अब श्रद्धालुओं को यात्रा आरएफआईडी कार्ड लेने के 10 घंटे के भीतर बाणगंगा ताराकोट सहित हैलीपैड जैसे प्रवेश द्वार पार करने होंगे अन्यथा उनका आरएफआईडी कार्ड अवैध माना जाएगा। वहीं श्राइन बोर्ड द्वारा जारी आदेश के तहत आरएफआईडी कार्ड यात्रा मार्ग पर प्रवेश करने के बाद 24 घंटे तक वैष्णो देवी भवन पर नमन हेतु मान्य होंगे। इससे पहले आरएफआईडी कार्ड लेने से 12 घंटे तक यात्रा मार्ग पर प्रवेश हेतु मान्य होता था पर श्राइन बोर्ड द्वारा हाल ही में निकाले गए आदेश के तहत अब आरएफआईडी कार्ड 10 घंटे तक ही मान्य होंगे। वहीं श्राइन बोर्ड द्वारा पिछले दिनों निकाले गए आदेश के तहत यात्रा आरएफआईडी काऊंटर के समय में भी बदलाव किया गया था। इस बदलाव के तहत ताराकोट काऊंटर पर 24 घंटे आरएफआईडी कार्ड उपलब्ध हो रहा है जबकि रेलवे स्टेशन पर रात 12 बजे तक आरएफआईडी कार्ड सुविधा उपलब्ध करवाई गई है।

प्रख्यात कश्मीरी लेखक और प्रसारक अब्दुल अहद फरहाद का निधन

जम्मू,, 22 दिसंबर। कश्मीर के प्रख्यात लेखक, कवि और प्रसारक अब्दुल अहद फरहाद का सोमवार को जम्मू में अचानक निधन हो गया जिससे कश्मीर के साहित्यिक, पत्रकारिता और सांस्कृतिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। अब्दुल अहद फरहाद कश्मीरी साहित्य और प्रसारण की एक सशक्त आवाज माने जाते थे। वे अपनी सरल, विचारोत्तेजक लेखनी और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति समर्पण के लिए व्यापक रूप से सम्मानित थे। फरहाद ने साहित्य को बढ़ावा देने वाले कई मंचों का सक्रिय समर्थन किया और ऐसे कार्यक्रमों का संचालन किया जिनसे उभरते लेखकों और साहित्यकारों को प्रोत्साहन मिला। उनके योगदान को सहकर्मियों और आम लोगों दोनों ने सराहा। उनका पार्थिव शरीर जम्मू से श्रीनगर लाया जाएगा और सोमवार को सौरा में अंतिम संस्कार किया जाएगा। उनके निधन को कश्मीर के साहित्यिक परिदृश्य के लिए अपूरणीय क्षति बताया जा रहा है।

कश्मीर में अगले 12 घंटों मे बर्फबारी और बारिश की संभावना

श्रीनगर, 22 दिसंबर। कश्मीर भर में हाल ही में हुई बारिश से रात के तापमान में वृद्धि हुई है और दिन के तापमान में गिरावट आई है मौसम विभाग ने अगले 12 घंटों में बर्फबारी या बारिश का एक और दौर होने की भविष्यवाणी की है। विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि रविवार रात श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 4.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो मौसमी सामान्य से 6.4 डिग्री अधिक है।

आजादी के बाद पहली बस सेवा को सीमावर्ती गांव जाबोवाल से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

जम्मू, 22 दिसंबर । अरनिया सेक्टर के निवासियों के लिए एक ऐतिहासिक विकास में बिश्नाह के विधायक डॉ. राजीव कुमार भगत ने आज गांव जाबोवाल से आधिकारिक तौर पर एक नई ई-बस सेवा को हरी झंडी दिखाई। यह गांव के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है क्योंकि भारत की आजादी के बाद यह पहली बार है कि नियंत्रण रेखा के किनारे स्थित इस सुदूर बस्ती से एक समर्पित बस सेवा शुरू की गई है।

नई पर्यावरण-अनुकूल इलेक्ट्रिक बस जाबोवाल के अंतिम सीमावर्ती गांव और जम्मू शहर के बीच कनेक्टिविटी की खाई को पाट देगी जिससे छात्रों, श्रमिकों और बुजुर्गों के लिए परिवहन का एक विश्वसनीय और टिकाऊ साधन उपलब्ध होगा जो पहले सीमित आवागमन विकल्पों से जूझते थे।

जाबोवाल में एक विशाल और उत्साही सभा को संबोधित करते हुए डॉ. राजीव कुमार भगत ने बिश्नाह मॉडल निर्वाचन क्षेत्र को विकसित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ई-बस सेवा की शुरूआत सिर्फ परिवहन के बारे में नहीं है बल्कि सीमावर्ती लोगों को विकास की मुख्यधारा में लाने के बारे में है।

डॉ. राजीव ने कहा कि दशकों से जाबोवाल के लोगों ने बुनियादी पारगमन बुनियादी ढांचे के लिए इंतजार किया है। आज हम अलगाव के उस चक्र को तोड़ते हैं। यह ई-बस सेवा सुनिश्चित करेगी कि अरनिया सेक्टर के निवासियों को जम्मू शहर के केंद्र तक सुरक्षित, सस्ती और लगातार पहुंच मिले।

उपमुख्यमंत्री ने जनता की शिकायतों के सौहार्दपूर्ण समाधान और सेवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने पर दिया जोर

जम्मू, 22 दिसंबर । उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने आज जम्मू-कश्मीर में जनता की शिकायतों के सौहार्दपूर्ण समाधान और सेवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

जम्मू स्थित सिविल सचिवालय में विभिन्न जन प्रतिनिधिमंडलों से बातचीत करते हुए उपमुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी सभी समस्याओं और चिंताओं पर उचित मंच पर शीघ्रता से विचार किया जाएगा और उनका समाधान किया जाएगा।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के

आधार पर समाधान करें और लोगों के घर तक त्वरित सेवा पहुंचाएं। बातचीत के दौरान उपमुख्यमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों के प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात की जिनमें छात्र, नौकरी के इच्छुक उम्मीदवार, उद्यमी बनने की इच्छा रखने वाले लोग, व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि, नागरिक समाज संगठन और कई आम नागरिक शामिल थे। प्रतिनिधिमंडलों ने उन्हें अपनी चिंताओं, मांगों और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों से अवगत कराया।

सर्दियों में सांस के रोगी रहें सचेत

सर्दियों में तापमान में कमी और वातावरण में प्रदूषित तत्वों की बढ़ी हुई मात्रा सेहत के लिए मुसीबत का कारण बन सकती है। सर्दियों का मौसम खासतौर पर सांस के मरीजों के स्वास्थ्य के लिए चुनौती बन जाता है। इस मौसम में सांस संबंधी दिक्कतें जैसे दमा, फ्लू और सर्दी-जुकाम के मरीजों की संख्या काफी बढ़ जाती है।

प्रदूषित कोहरे का दुष्प्रभाव

सर्दियों में होने वाला कोहरा (जो वायुमंडल की जलवाष्प के संघनित होने से बनता है) कमोबेश हानिरहित होता है, लेकिन धुएं और सस्पेन्डिड पार्टिकल्स (छोटे-छोटे प्रदूषित कणों) के इर्द-गिर्द जमने से बना स्मोग (प्रदूषित कोहरा) मानव शरीर और खासतौर पर श्वसन तंत्र के लिए किसी विपत्ति से कम नहीं होता। इस वजह से लोगों की आंखों में जलन, आंसू, नाक में खुजली, गले में खराश और खांसी जैसे लक्षण सामान्य तौर पर देखने को मिलते हैं। सर्दी बढ़ने के साथ ही सांस की नली की संवेदनशीलता तुलनात्मक रूप से बढ़ जाती है, जिससे सांस की नली सिकुड़ती है। इस कारण सांस के रोगियों में समस्या की आशंका बढ़ जाती है।

वृद्ध रहें सजग

वृद्धों में सांस संबंधी समस्याएं कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती हैं। दरअसल बुजुर्गों में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण उन्हें सांस संबंधी बीमारियों का ज्यादा खतरा रहता है।

दमा या अस्थमा- वातावरण में किसी भी प्रकार के बदलाव से शरीर में परिवर्तन होता है, जिससे, एलर्जी और अस्थमा के रोगी मुख्य रूप से प्रभावित होते हैं। जाड़े में इन मरीजों की परेशानियां बढ़ जाती है। इसलिए उन्हें विशेष तौर पर अपना ख्याल रखने की सलाह दी जाती है।

फ्लू या इंफ्लूएंजा- यह समय फ्लू या इंफ्लूएंजा के वाइरस के सक्रिय होने का है। इस कारण फ्लू के मामलों में काफी वृद्धि हो जाती है। बच्चों, वृद्धों, गर्भवती महिलाएं और एच.आई.वी. से पीड़ित रोगियों में यह संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है।

क्या करें

- सांस के रोगी खासकर दमा के मरीज न सिर्फ सर्दी से बचाव करें बल्कि नियमित रूप से डॉक्टर के संपर्क में रहें। डॉक्टर की सलाह से अपने इनहेलर की डोज भी दुरुस्त कर लें। कई बार इनहेलर्स की मात्रा बढ़ानी होती है।
- सर्दी से बचकर रहें। पूरा शरीर ढकने वाले कपड़े पहनें। सिर, गले और कान को खासतौर पर ढकें।
- सर्दी के कारण साबुन-पानी से हाथ धोने की अच्छी आदत न छोड़ें।
- गुनगुने पानी से नहाएं।
- सर्दी के मौसम में मालिश लाभप्रद है।
- सर्दी, जुकाम, खांसी, फ्लू और सांस की अन्य बीमारियों से ग्रस्त रोगियों को सुबह- शाम भाप(स्टीम) लेनी चाहिए।
- फ्लू के रोगी खांसते या छींकते समय मुंह पर हाथ रखें या रूमाल का प्रयोग करें।
- फ्लू के रोगियों द्वारा इस्तेमाल की गई वस्तुओं जैसे रूमाल व चादरों आदि को सुरक्षित विधि से साफ करें।
- अगर आप में फ्लू के लक्षण हैं, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें और घर मे ही रहें।
- फ्लू पीड़ित से कम से कम 1 मीटर दूर रहें।
- हाथ मिलाने या गले मिलने से बचें, भारतीय पद्धति के अनुसार नमस्कार करें।

क्या न करें

- सर्दी में सांस के मरीजों को सुबह की सैर नहीं करनी चाहिए।
- सुबह ठंडे पानी से न नहाएं। सांस के रोगियों को अलाव के धुएं से बचना चाहिए, अन्यथा इससे उन्हें सांस का दौरा पड़ सकता है।

घर पर करें गोभी और मिर्च से रोगों का उपचार

जार्जटाऊन यूनिवर्सिटी मैडीकल सैंटर के शोधकर्ताओं के अनुसार फूलगोभी, पत्तागोभी तथा जलकुंभी परिवार की सब्जियों में एक प्रकार का पदार्थ पाया जाता है जो मानव एवं जानवर दोनों में फेफड़े का कैंसर रोकने में सहायक होता है।

शोधकर्ताओं के अनुसार 'प्रेफेक्स' नामक एक ऐसा पदार्थ गोभी में पाया जाता है जो फेफड़े को कैंसरग्रस्त होने से रोकता है। यह पदार्थ सैक्स उत्तेजक भी होता है। इसी प्रकार मिर्च खाने से शरीर की चर्बी कट जाती है और वजन कम हो जाता है।

मिर्च की तासीर के कारण चर्बी बढ़ाने वाली कोशिकाएं खुद ब खुद नष्ट होने लगती है। ताईवान के शोधकर्ता चिन-लिन-शू के अनुसार मिर्च शरीर के चयापचय की प्रक्रिया को तेज करती है और यह मोटापे को कम करने के साथ ही कालरा तथा ब्रांकाइटिस जैसी बीमारियों का उपचार भी करती है।

गोभी और मिर्च से बहुत से रोगों का उपचार घर पर ही किया जा सकता है। आईए जानें कैसे

गोभी

1 गोभी में मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को दरूस्त रखते हैं और पेट संबंधी रोगों से राहत देते हैं।

2 गोभी का सेवन करने से कैंसर जैसी भयानक बीमारी का खतरा कम होता है।

3 गोभी का सेवन मोटापे से निजात दिलाता है।

4 गोभी में कैल्शियम की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो शरीर की हड्डियों के लिए काफी फायदेमंद होती है और दांतों को भी मजबूत बनाने में मददगार साबित होती है।

मिर्च

1 जब आप हरी मिर्च अपने दांत से चबाते हैं तो इसका तीखा अनुभव आपके मुंह में अधिक थूक पैदा करता है जो रक्त के थक्कों को घोलने में काफी सहायक होता है।

2 हरी मिर्चों में विटामिन सी की मौजूदगी शरीर को खांसी, जुकाम तथा श्वास संबंधी अन्य समस्याओं से बचाने में सहायता करती है।

3 हरी मिर्च में मौजूद विटामिन के ओस्टियोपोरोसिस के खतरे को कम करता है।

4 हरी मिर्च एक प्राकृतिक दर्द निवारक है और यह ओस्टियोआर्थराइटिस जैसी स्थितियों में इलाज में काफी लाभदायक होती है।

5 मोटापे से पीड़ित लोगों में कोलैस्ट्रॉल के स्तरों को कम करने में हरी मिर्चें काफी सहायक होती हैं।

मानव पर रंगों का प्रभाव

सफेद रंग हल्केपन एवं शीतलता का आभास देता है।

पीला रंग उत्फुल्लता, हल्केपन खुलेपन और गर्माहट का आभास देता है, नब्ज की रफ्तार तेज करता है परंतु आक्रामक प्रतिक्रिया भी पैदा कर सकता है।

बैंगनी रंग थकान और भारीपन का भ्रम उत्पन्न कर थकान, बोरियत या बोझ की अनुभूति करता है।

गहरा नीला रंग मस्तिष्क को विश्रांति देता है किन्तु दुख का बोध भी कराता है। गहरे नीले रंग से पूरा कमरा ठंडा एवं भरा-भरा प्रतीत होता है।

हरा रंग शांति एवं शीतलता का अहसास कराता है। आंखों से दबाव घटाकर नेत्र ज्योति तेज करता है। खून का दबाव भी सामान्य करता है। हल्का नीला रंग शीतलता व अलगाव द्वारा चैन देता है। काला रंग ओजस्विता कम करता है, अवसादकारक एवं उत्पीड़क बोझ देने वाला है। काले रंग पुते तल काफी बड़े प्रतीत होते हैं। भूरा रंग स्थायित्व, गर्म और मानसिक संतुलन बोधकारक होता है। सलेटी रंग को ठंडा, नीरसता व विरक्तिबोधक माना जाता है। श्वेत एवं नीले रंग के सम्मिश्रण को शीतलता और चैन का द्योतक कहा गया है। जामुनी रंग गर्म एवं उत्साहवर्धक माना गया है। लाल रंग गर्मजोशी, मनोबल बढ़ाता है, मगर देर तक हावी रहना थकान एवं धड़कन बढ़ाता है

ठंड में त्वचा रोगों से बचाव के घरेलु नुस्खे

1 सर्दी के मौसम में स्वस्थ त्वचा के लिए जरूरी है नियमित स्नान। भले ही आप प्रतिदिन न नहाएं परंतु हर दूसरे दिन नहाने का नियम बनाएं। जिस दिन नहीं नहाएं, उस दिन स्पंज करें तथा अंदर के कपड़े अवश्य बदलें। नहाने के लिए ठंडा-गर्म जैसा पानी चाहें, इस्तेमाल कर सकते हैं।

2 जाड़े में साबुन का प्रयोग ज्यादा न करें। नहाने से पहले पूरे बदन में तेल लगाएं। नहाने के बाद तेल या माश्चराइजर का उपयोग करें। पानी से करने वाले काम एक ही बार में निपटा लें। बार-बार पानी में हाथ न डालें। यदि पानी का काम करना जरूरी हो तो पहले हाथों में मलाई लगाएं। दस्ताने पहन कर काम करने से त्वचा सुरक्षित रहती है।

3 सर्दियों में धूप का नियमित सेवन करके चिलब्लेंस व डर्माटाइटिस जैसे रोगों से बचा जा सकता है। धूप में उतना ही बैठें जितनी देर आराम महसूस करें। अगर त्वचा लाल पडऩे लगे या सूजने लगे, तो धूप से हट जाएं। जिन्हें धूप से एलर्जी है उनके लिए सर्दी की धूप भी नुक्सानदायक है। ऐसे लोग धूप में कम निकलें। जब भी धूप में निकलें तो सिर पर स्कार्फ बांध लें या छतरी भी लगा सकते हैं।

4 हाथ-पैर की उंगलियों के सुन्न होने, खून का दौरा कम होने या त्वचा के फटने से बचने का सबसे अच्छा उपाय है संतुलित आहार। भोजन में दूध, दही और हरी सब्जियां खूब लें। विटामिन ए ज्यादा से ज्यादा लें। त्वचा के लिए गाजर का सेवन बहुत फायदेमंद है।

5 यूरिया आयंटमैंट त्वचा के फटने, सूजन और लाल होने वाली त्वचा के उपचार के लिए बहुत उपयोगी है। यह यूरिया से बनती है। इसको मलने से त्वचा काफी देर तक मुलायम बनी रहती है। इसके नियमित इस्तेमाल से त्वचा में होने वाले रोगों से बचा जा सकता है तथा त्वचा स्वस्थ रहती है।

कहीं आप भी खून की कमी का शिकार तो नहीं हो रहे

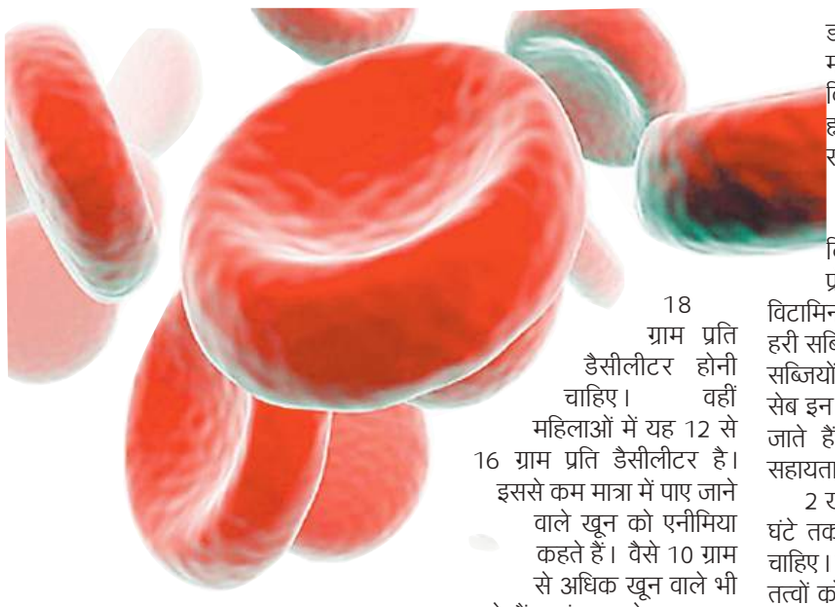

आज के भागदौड़ भरे जीवन में फास्ट फूड का प्रचलन बढ़ रहा है। जिससे भोजन में पौष्टिक आहार की कमी के कारण आज प्रत्येक वर्ग के लोग खून की कमी से जूझ रहे हैं। जिसमें अधिकतर संख्या युवाओं की है जिसके कारण उन्हें कमजोरी आदि की शिकायतें होने लगी हैं। खून की पाई जाने वाली इस कमी को एनीमिया कहते हैं। एनीमिया का प्रमुख कारण सही प्रकार की डाइट न लेना है। पुरुषों में खून की मात्रा 14 से 18 ग्राम प्रति डैसीलीटर होनी चाहिए। वहीं महिलाओं में यह 12 से 16 ग्राम प्रति डैसीलीटर है। इससे कम मात्रा में पाए जाने वाले खून को एनीमिया कहते हैं। वैसे 10 ग्राम से अधिक खून वाले भी स्वस्थ रहते हैं, परंतु इससे कम खून वाले को अधिक से अधिक डाइट लेनी चाहिए।

एनीमिया की 3 स्टेज होती हैं, जिनमें प्रथम स्टेज को माइलड कहते हैं, जो 10 से 12 ग्राम होती है। वहीं 6 से 10 ग्राम को मोडरेट व 6 ग्राम से कम की स्थिति खतरनाक होती है। जिसे सीवियर एनीमिया कहते हैं।

एनीमिया अत्यधिक गंभीर रोग तब होता है जब हैपिटाइटिस बी, सी तथा एच.आई.वी. जैसे संक्रमण होते हैं। डाक्टरों का सुझाव है कि अधिक मात्रा में भी आयरन का सेवन नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि इससे हृदय संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

कैसे करें खून की कमी पूरी

1 एनीमिया से निजात पाने के लिए बैलेंस डाइट जरूरी है। प्रोटीन, आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन, मांस, मछली में ही नहीं दूध, हरी सब्जियां, मटर, फलियों तथा पत्तेदार सब्जियों, शीरा, गुड़, किशमिश, खजूर, सेब इन सबमें अलग-अलग रूप में मिल जाते हैं। इन तत्वों में खून बनने में सहायता मिलती है।

2 खाना खाने से पहले व बाद में आधे घंटे तक चाय का सेवन भी नहीं करना चाहिए। चाय खाने में मिलने वाले पौष्टिक तत्वों को डाइजेस्ट नहीं होने देती।

3 आयरन युक्त डाइट तभी फायदेमंद होती है, जब उसके साथ विटामिन सी का भी सेवन किया जाए। विटामिन सी के लिए अमरूद, आंवला और संतरे का जूस लें। वैसे तो बैलेंस्ड डाइट और हैल्दी लाइफ स्टाइल ही काफी है लेकिन फिर भी किसी कारण से एनीमिया हो जाता है तो प्रापर ट्रीटमैंट लेना आवश्यक है। डाक्टर की सलाह से ब्लड टैस्ट कराएं ताकि बीमारी का कारण पता चल सके। उसके बाद ही डाक्टर आपका सही ट्रीटमैंट कर सकेंगे।

रूखी त्वचा को कोमल बनाता है नारियल तेल

ठंड के कारण कई समस्याएं होती हैं. इस मौसम में त्वचा के रोग और सर्दी-जुकाम होना आम बात है. इन समस्याओं से निबटने के लिए प्रस्तुत हैं कुछ आसान घरेलू उपाय, जिनसे इन समस्याओं से निबटा जा सकता है.

- रूखी त्वचा से बचने के लिए नैचुरल मॉस्च्यूराइजर, जैसे- नारियल तेल लगाएं.
- शहद के साथ गुलाब जल मिला कर चेहरे पर लगाएं. इससे त्वचा में चमक आयेगी और चेहरा साफ होगा.
- स्नान से पहले नारियल तेल लगा लें, इससे चिकनाई और कोमलता आयेगी.
- नीबू का रस लगाएं. इसमें मौजूद विटामिन-सी चेहरे की चमक बनाये रखती है.
- सर्दी के मौसम में विटामिन की कमी के कारण होठ फटने लगते हैं, इसलिए टमाटर, गाजर, साबूत अनाज और फल-सब्जियों का सेवन करें.
- नारंगी के छिलके के पाउडर में शहद मिला कर लगाने से त्वचा निखरती है.
- जितना हो सके, आहार में विटामिन-इ युक्त खाद्य पदार्थो, जैसे- पालक, बादाम, कद्दू आदि का सेवन करना बेहतर होता है.

सेहत का खजाना है पालक

हरी सब्जियों में पालक का नाम सबसे ऊपर है. यह शरीर के लिए काफी फायदेमंद है. इसमें शरीर के लिए आवश्यक अमीनो एसिड, विटामिन ए, फोलिक एसिड, प्रोटीन और लौह तत्व भरपूर मात्र में होते हैं. इसके सेवन कई रोगों से भी छुटकारा मिलता है.

यह हरी पत्तेदार सब्जी गुणों से भरपूर है. पोषक तत्वों की प्राप्ति के लिए इसका नियमित सेवन बेहतर माना जाता है. पालक में विटामिन ए और सी प्रचुर मात्र में होते हैं. इसके अलावा विटामिन बी कॉम्पलैक्स, फोलिक एसिड, मैग्नीशियम की भी प्रचुरता होती है. शोध के अनुसार एक कप पालक से दिन भर की मैग्नीशियम की जरूरत का 40 प्रतिशत प्राप्त हो जाता है. मधुमेह पीड़ित लोगों के लिए भी पालक अच्छा विकल्प है. दही के साथ कच्चे पालक का रायता बहुत ही स्वादिष्ट और गुणकारी होता है.

इन रोगों से बचाता है -

ऑस्टियोपोरोसिस - खनिज तत्वों की प्रचुरता के कारण यह हड्डियों को मजबूत बनाता है और ऑस्टियोपोरोसिस को दूर रखता है.

आंखों की रोशनी - पालक मैकुलर डिजेनरेशन का जोखिम भी कम करता है. मैकुलर डिजेनरेशन 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में अंधेपन का मुख्य कारण है. इसके अलावा, विटामिन ए की कमी से रतौंधी और आंखों की रोशनी में कमी जैसे लक्षण उत्पन्न होते हैं.

शरीर की क्षतिपूर्ति में सहायक - प्रचुर मात्र में मौजूद फोलेट डीएनए और कोशिकाओं की सामान्य क्षति को पूरा करता है और इससे शरीर स्वयं अपने नुकसान की भरपाई कर लेता है.

एंटीऑक्सीडेंट - यह शरीर में उपापचय व अन्य सामान्य क्रियाओं के दौरान बननेवाले फ्री-रेडिकल्स से लड़ने में सहायक है. फ्री रेडिकल्स कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं और कैंसर तथा हृदयरोगों के कारण बन सकते हैं.

वजन घटाने में सहायक - इसमें फाइबर प्रचुर मात्र में होता है, इसलिए यह मोटापा घटाने के इच्छुक लोगों के लिए आदर्श आहार है. सलाद, सब्जी और जूस में पालक का ज्यादा-से-ज्यादा उपयोग बेहतर होता है.

पोस्टमेनोपॉजल सिंड्रोम - पालक में मौजूद मैग्नीशियम पीएमएस के लक्षणों में कमी लाता है. इस अवस्था में पेट फूलने जैसी शिकायतों से बचने के लिए पालक बेहतर विकल्प है.

प्रतिरक्षा प्रणाली बनाता है मजबूत - पालक में मौजूद पोषक तत्व प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाते हैं और शरीर को सामान्य संक्रमणों से बचाते हैं.

बालों को मिले मजबूती - इसमें बालों के लिए आवश्यक विटामिन भी विशेष मात्र में होते हैं. बाल झड़ने से परेशान लोगों को कच्चे पालक का सेवन करना चाहिए.

ये लोग न करें सेवन - पालक में कैल्शियम और फॉस्फोरस होता है, जो मिल कर कैल्सियम फॉस्फेट बनाता है. यह पानी में घुलता नहीं है, जिससे पथरी बन जाती है. इसलिए पथरी के रोगियों को सिर्फ पालक की सब्जी नहीं खानी चाहिए. पालक और हरी पत्तेवाली मेथी मिला कर साग बना कर खाने से पथरी नहीं बनती है. कच्चे पालक के रस के सेवन करने से भी पथरी नहीं होती है.

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

एसएमवीडीयू की शोधार्थी कृतिका शर्मा को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार

जम्मू, 22 दिसंबर (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) के स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी की पीएच.डी. शोधार्थी कृतिका शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। उन्होंने 11 से 14 दिसंबर तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की में आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एडवांसेज़ इन बायोटेक्नोलॉजी, बायोप्रोसेसिंग एंड स्ट्रक्चरल बायोलॉजी में भाग लिया और बेस्ट पोस्टर प्रेज़ेंटेशन अवॉर्ड प्राप्त किया। यह प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आईआईटी रुड़की और बायोटेक रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें देश-विदेश से वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं ने भाग लिया। सम्मेलन में लगभग 300 पोस्टर प्रस्तुतियाँ और 200 के करीब रैपिड ओरल प्रस्तुतियाँ हुईं, जो इसकी व्यापकता और प्रतिस्पर्धात्मक स्तर को दर्शाती हैं। कृतिका शर्मा ने महिला बांझपन में तनाव और वैजाइनल माइक्रोबायोम की भूमिका- जम्मू-कश्मीर की महिलाओं से प्राप्त अंतर्दृष्टि विषय पर अपना शोध पोस्टर प्रस्तुत किया। यह शोध महिला प्रजनन स्वास्थ्य के क्षेत्र में मनोवैज्ञानिक तनाव और वैजाइनल माइक्रोबियल संरचना के आपसी संबंध को समझने पर केंद्रित है। शोध की मौलिकता, अंतर्विषयक दृष्टिकोण और सामाजिक प्रासंगिकता के लिए इसे विशेष रूप से सराहा गया।

इस उपलब्धि से एसएमवीडीयू के स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी में सशक्त होती शोध संस्कृति और अकादमिक उत्कृष्टता को बल मिला है। कृतिका शर्मा ने अपने शोध पर्यवेक्षक डॉ. इंदु भूषण के मार्गदर्शन और सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया।

पहली बार फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया फूडग्रेन फ्रेट रेक अनंतनाग पहुंची

श्रीनगर। 21 दिसंबर 2025 जम्मू और कश्मीर की लॉजिस्टिक्स और खाद्य आपूर्ति श्रृंखला के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा प्रायोजित पहली फूडग्रेन फ्रेट रेक का आज अनंतनाग गुड्स टर्मिनल पर आगमन हुआ है। यह मालगाड़ी, पंजाब के अजीतवाल स्टेशन से चली थी, इसमें 21 BCN वैगनों में लगभग 1,384 टन ज़रूरी अनाज लदा हुआ है। यह लगभग 11:30 बजे अनंतनाग में अपने गंतव्य पर पहुंची। यह यात्रा कश्मीर घाटी में रेल द्वारा सीधे प्रायोजित अनाज परिवहन की आधिकारिक शुरुआत का प्रतीक है। थोक खाद्य परिवहन के लिए यह रेल लिंक स्थापित करके, स्वच्छ और भारतीय रेलवे एक अधिक मज़बूत और विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित कर रहे हैं जो पहाड़ी सड़क परिवहन से जुड़ी पारंपरिक चुनौतियों से बचाती है।

इस रेक का आगमन विशेष रूप से सही समय पर हुआ है। चूंकि यह क्षेत्र कठोर सर्दियों के मौसम का सामना कर रहा है, जिसके कारण अक्सर बर्फबारी और भूस्खलन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो जाता है, इसलिए रेल परिवहन एक महत्वपूर्ण जीवन रेखा प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री उमर ने 'सामंजस्य' नामक एक कॉफी टेबल बुक का किया विमोचन

जम्मू, 22 दिसंबर (हि.स.)। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज 'सामंजस्य' नामक एक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया जो जम्मू और कश्मीर के डिजिटल परिवर्तन की यात्रा को दर्शाती है और जम्मू-कश्मीर में भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं भू-सूचना विज्ञान संस्थान की प्रमुख परियोजनाओं और तकनीकी योगदानों का दस्तावेजीकरण करती है।

विमोचन समारोह में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री सतीश शर्मा; मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी; मुख्य सचिव अटल डुल्लू; उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शांतमनु; मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता; सूचना एवं प्रशासन आयुक्त सचिव एम. राजू; सूचना विभाग सचिव पीयूष सिंगला; स्कूल शिक्षा सचिव; जम्मू-कश्मीर सरकार के सीईओ और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने जम्मू और कश्मीर में जटिल शासन संबंधी चुनौतियों के व्यावहारिक और नवोन्मेषी समाधान तैयार करने के लिए बीएसएजी-एन की सराहना की और कहा कि इनमें से कई समाधान जम्मू-कश्मीर से परे भी प्रासंगिक हैं।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर की अनूठी भौगोलिक स्थिति और जलवायु परिस्थितियां डिजिटलीकरण की दिशा में एक मजबूत प्रयास की आवश्यकता को दर्शाती हैं क्योंकि प्रौद्योगिकी स्थान की परवाह किए बिना सार्वजनिक सेवाओं की एकसमान डिलीवरी को सक्षम बनाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन और सेवाओं का डिजिटलीकरण यह सुनिश्चित करता है कि जम्मू और कश्मीर के लोगों को समान गुणवत्ता वाली सेवाएं मिलें, चाहे वे दूरदराज के क्षेत्रों में रहते हों या शहरी केंद्रों में। मुख्यमंत्री ने समन्वय को इस सहयोग का एक व्यापक चित्र बताते हुए कहा कि यह प्रकाशन इस बात का अवलोकन प्रस्तुत करता है कि प्रौद्योगिकी-आधारित हस्तक्षेपों ने प्रशासनिक दक्षता और सेवा वितरण में किस प्रकार सहयोग प्रदान किया है।

मीडिया टैलेंट हंट अभियान को जबरदस्त प्रतिक्रिया, 100 से अधिक उम्मीदवारों ने किया आवेदन

जम्मू, 22 दिसंबर (हि.स.)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा यह दावा किया गया है कि जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के माध्यम से चलाए जा रहे मीडिया टैलेंट हंट अभियान को भारी सफलता मिली है। इस अभियान के तहत पार्टी के मीडिया एवं पब्लिसिटी विभाग से जुड़ने के लिए 100 से अधिक उम्मीदवारों ने आवेदन किया है। यह जानकारी यहां जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता एवं टैलेंट हंट टीम के संयोजक रविंदर शर्मा ने दी। उन्होंने कहा कि यह अभूतपूर्व प्रतिक्रिया कांग्रेस पार्टी की नीतियों, कार्यक्रमों और राहुल गांधी के सशक्त एवं निर्भीक नेतृत्व में लोगों के बढ़ते विश्वास को दर्शाती है।

शर्मा ने बताया कि आवेदन करने वालों में कश्मीर और जम्मू दोनों क्षेत्रों से लगभग समान संख्या में उम्मीदवार शामिल हैं, जबकि जम्मू-कश्मीर के लगभग हर जिले से भी प्रतिभाशाली युवाओं ने इस अभियान में रुचि दिखाई है। उन्होंने कहा कि आवेदनों की स्क्रीनिंग और चयन प्रक्रिया अगले सप्ताह आयोजित की जाएगी। जम्मू क्षेत्र के उम्मीदवारों के लिए चयन प्रक्रिया 26 दिसंबर को, जबकि कश्मीर क्षेत्र के उम्मीदवारों के लिए 27 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। चयन प्रक्रिया में एआईसीसी के प्रतिनिधियों के साथ-साथ स्वतंत्र मीडिया से जुड़े विशेषज्ञ जूरी सदस्य के रूप में शामिल होंगे।

रविंदर शर्मा ने विश्वास जताया कि इस टैलेंट हंट अभियान के माध्यम से पार्टी के मीडिया, पब्लिसिटी और रिसर्च विंग को और अधिक मजबूत किया जाएगा, जिससे कांग्रेस पार्टी की विचारधारा और कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाया जा सकेगा।

राष्ट्रीय गणित दिवस पर जीजीएम साइंस कॉलेज में छात्र गणित सम्मेलन, गणित और सांख्यिकी के महत्व पर विशेषज्ञों ने डाला प्रकाश

जम्मू, 22 दिसंबर (हि.स.)। राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य पर जीजीएम साइंस कॉलेज जम्मू के गणित विभाग द्वारा वन डे स्टूडेंट्स कॉन्फ्रेंस इन मैथमेटिक्स का आयोजन किया गया। सम्मेलन का आयोजन कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता के संरक्षण में किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता मुख्य अतिथि रहे, जबकि प्रो. (डॉ.) मनीष शर्मा, विभागाध्यक्ष सांख्यिकी प्रभाग, स्कॉस्ट जम्मू ने संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया। मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता ने विद्यार्थियों को समाज के प्रति उनके नैतिक कर्तव्यों से अवगत कराया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जन नहीं, बल्कि समाज के लिए उपयोगी नागरिक बनना भी है।

संसाधन व्यक्ति प्रो. (डॉ.) मनीष शर्मा ने गणित और सांख्यिकी के पारस्परिक संबंधों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने दैनिक जीवन तथा विज्ञान की विभिन्न शाखाओं में गणित और सांख्यिकी के महत्व और उपयोग को रेखांकित किया। सम्मेलन का औपचारिक स्वागत भाषण आयोजन सचिव डॉ. पवन कुमार शर्मा ने दिया। सम्मेलन संयोजक एवं गणित विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार शर्मा ने कहा कि गणित छात्रों की तार्किक क्षमता, आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान कौशल को विकसित करता है। सम्मेलन के दौरान ऑनलाइन लिखित प्रतियोगिता और मौखिक/पीपीटी प्रस्तुति प्रतियोगिता आयोजित की गई। लिखित प्रतियोगिता में जम्मू-कश्मीर के विभिन्न कॉलेजों के 48 छात्रों ने भाग लिया, जबकि मौखिक/पीपीटी प्रतियोगिता में जीजीएम साइंस कॉलेज के 20 छात्रों ने हिस्सा लिया।

प्रशासन गाँव की ओर-जिले में घर-घर सेवाएँ पहुँचाने पारदर्शिता सुनिश्चित करने और शिकायतों का निवारण करने का प्रयास जारी

कठुआ 22 दिसंबर (हि.स.)। जारी सुशासन सप्ताह के अंतर्गत कठुआ जिला प्रशासन ने चौथे दिन भी प्रशासन गाँव की ओर के तहत अपने जनसंपर्क कार्यक्रम को जारी रखते हुए पूरे जिले में घर-घर सेवाएँ पहुँचाने, पारदर्शिता सुनिश्चित करने और शिकायतों का प्रभावी निवारण करने का प्रयास किया। कटली, लोहाई मल्हार ब्लॉक में एक जनसंपर्क शिविर का आयोजन किया गया जहाँ अधिकारियों ने जनता से बातचीत की उनकी शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया और कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाई। हीरानगर के राम लीला मैदान में आयोजित कार्यक्रम में हीरानगर के विधायक विजय कुमार शर्मा, उपमंडल मजिस्ट्रेट फुलैल सिंह और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। उठाए गए प्रमुख मुद्दों में मल-मूत्र उपचार संयंत्र का स्थानांतरण पटवार खाना को कूटा गांव में स्थानांतरित करना खेल परिषद मैदान का निर्माण पूरा करना, पानी की पाइपलाइनों की मरम्मत, खराब बिजली के तारों को बदलना और कूटा-सैदा-सोहल सड़क का चैड़ीकरण शामिल थे। सभी की शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुना गया और समय पर समाधान का आश्वासन दिया गया। मौके पर ही स्वामित्व संपत्ति कार्ड और एसएमएएस और आईएनजीओपी पेंशन योजनाओं के तहत स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। इसी तरह के प्रशासन गांव की ओर शिविर पीएच प्लाही, तहसील बसोहली में तहसीलदार बसोहली की देखरेख में और बनी उपमंडल में आयोजित किए गए, जिनका उद्देश्य शिकायतों का निवारण राजस्व सेवाएं और सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाना था, ताकि जिले के सुदूरतम क्षेत्रों तक भी प्रशासनिक पहुंच सुनिश्चित हो सके

गीता का संदेश केवल आध्यात्मिक जीवन तक सीमित नहीं, बल्कि हमारे दैनिक जीवन में भी लागू होता है- गायत्री देवी

जम्मू, 22 दिसंबर (हि.स.)। स्वामी श्रद्धानंद जी के बलिदान दिवस की स्मृति में आयोजित गीता ज्ञान सप्ताह के छठे दिन अत्यंत श्रद्धा और भक्ति भाव से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। पूजनीय गायत्री देवी ने कल गीता के पाँचवें अध्याय का प्रारंभ किया था जिसे आज उन्होंने आगे बढ़ाया। उन्होंने अध्याय के लोकों को सरल भाषा में समझाते हुए जीवन में उनके व्यवहारिक प्रयोग पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने प्लास्टिक का उपयोग न करने और स्वच्छता को अपनाने की सलाह दी। उन्होंने समझाया कि गीता का संदेश केवल आध्यात्मिक जीवन तक सीमित नहीं है बल्कि हमारे दैनिक जीवन में भी लागू होता है। स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को धर्म का हिस्सा मानते हुए उन्होंने सभी को प्रेरित किया कि प्लास्टिक का प्रयोग कम करें और समाज को स्वच्छ बनाएँ। आज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त सहायक आयुक्त मोहनदर शर्मा तथा डॉ. मूल राज शर्मा ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। उनके विचारों ने उपस्थित जनों को प्रेरित किया और गीता के संदेश को जीवन में उतारने की दिशा दी। आर्य समाज के अध्यक्ष विषन भारती ने कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी सहयोगियों और उपस्थित जनों का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि 23 दिसंबर मंगलवार को गीता ज्ञान सप्ताह का समापन होगा।

पुलिस ने श्रीनगर में नशा मुक्ति जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया

जम्मू, 22 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने श्रीनगर के सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय मुजगंड में नागरिक कार्रवाई कार्यक्रम 2025-2026 के तहत नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम सेमिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम में एसपी सिटी वेस्ट श्रीनगर अहमद एसडीपीओ वेस्ट एसएचओ शाल्टेंग परिमपोरा पुलिस स्टेशन और प्रभारी पुलिस चौकी कमरवारी उपस्थित थे। मुजगंड जीएचएसएस और आसपास के अन्य विद्यालयों के लगभग 300 छात्रों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर जीएचएसएस मुजगंड के प्रधानाचार्य डॉ. एजाज अहमद अधिवक्ता जावेद इकबाल मौलवी सुहैल अहमद और मुजगंड क्षेत्र के स्थानीय निवासी भी उपस्थित थे। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की और मादक पदार्थों के दुरुपयोग के दुष्परिणामों और नशामुक्त समाज के महत्व पर प्रकाश डाला।

भाजपा कर्मचारी प्रकोष्ठ ने जम्मू में परिचयात्मक बैठक आयोजित की

जम्मू, 22 दिसंबर (हि.स.)। राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि की जम्मू-कश्मीर भाजपा कर्मचारी सेल की एक बैठक सैनिक कॉलोनी जम्मू में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पी.सी. ने की।

शर्मा सेल के संयोजक और सह-संयोजक अभय कुमार महाजन आईपीएस, एसएसपी (सेवानिवृत्त) और संतोष शर्मा सह-संयोजक हैं। यह बैठक कर्मचारी प्रकोष्ठ के नव घोषित राज्य कार्यकारिणी सदस्यों के साथ-साथ विभिन्न जिला स्तरों पर प्रकोष्ठ के सदस्यों सहित प्रकोष्ठ के अन्य प्रमुख सदस्यों के साथ बातचीत के लिए परिचयात्मक थी।

बैठक में विभिन्न अनुभव वाले विभिन्न सरकारी विभागों के प्रतिष्ठित सेवानिवृत्त कर्मचारियों का जमावड़ा देखा गया जो सेल की व्यापक अपील और राष्ट्र की सेवा करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। सभा में शिक्षा, राजस्व, पुलिस, वन और सशस्त्र बलों के सम्मानित सेवानिवृत्त अधिकारी उपस्थित थे जो अपने साथ अनुभव और विशेषज्ञता का खजाना लेकर आए थे।

उनकी उपस्थिति ने न केवल इस अवसर को विश्वसनीयता प्रदान की, बल्कि विभिन्न विभागों और क्षेत्रों के कर्मचारियों को एकजुट करने की सेल की क्षमता के प्रमाण के रूप में भी काम किया।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा संख्या :- 205, 206-2025-26-SrDEN-III-FZR **दिनांक 19.12.2025**

वरिष्ठ मंडल अभियंता – तृतीय/फिरोजपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित ई- निविदाएं, अंतिम तिथि 12.01.2026 समय 15:00 बजे तक **www.ireps.gov.in** पर आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपने मूल /संशोधित निविदा बंद होने की तिथि तथा समय तक प्रस्तुत कर सकते है। मैन्युअल निविदा मान्य नहीं है और ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा। ठेकेदार निविदा प्रपत्र की लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल **www.ireps.gov.in** पोर्टल पर उपलब्ध ऑन लाइन साधनों के माध्यम जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, व केडिट कार्ड आदि से भुगतान कर सकते हैं। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, एफ.डी.आर. व रसीदों आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नही हैं।

निविदा प्रकार	निविदा अनुभाग	बोली प्रणाली
खुला	कार्य	एकल बोली प्रणाली
निविदा अपलोड करने की तिथि	बोली शुरू की तिथि	बोली समापन की तिथि तथा समय
18.12.2025	29.12.2025	12..01.2026/15:00 बजे

क्र.सं.	निविदा संख्या	निविदा का विवरण
1	205-2025-26-SrDEN-III-FZR	सहायक मंडल अभियंता – प्रथम एवं द्वितीय/अमृतसर के अंतर्गत यूवी उपचार द्वारा छत के ऊपर और भूमिगत जल टैंकों तथा पीवीसी भंडारण टैंकों की आवधिक सफाई।

विज्ञापन मूल्य (रु.)	बयाना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि
74,96,339.95/-	1,49,900.00/-	60 दिन	12 महीने

सामान प्रकृति का कार्य :- "ट्रैक निर्माण कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य।"

क्र.सं.	निविदा संख्या	निविदा का विवरण
2	206-2025-26-SrDEN-III-FZR	सहायक मंडल अभियंता-प्रथम एवं द्वितीय/अमृतसर के अंतर्गत आने वाली अमृतसर स्टेशन और कॉलोनियों के लिए पेयजल के क्लोरीनीकरण हेतु स्वचालित क्लोरीनीकरण संयंत्र की आपूर्ति, संचालन और रखरखाव।

विज्ञापन मूल्य (रु.)	बयाना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि
64,99,946.90/-	1,30,000.00/-	60 दिन	60 महीने

सामान प्रकृति का कार्य :- "क्लोरीनीकरण/आरओ/सॉफ्टनिंग प्लांट/सीवेज/अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र सहित जल उपचार संयंत्रों का संचालन और रखरखाव।"

नोट : 1. निविदा डालने से पहले, निविदाकर्ता निविदा के संबंध में जारी किए गए किसी भी शुद्धिपत्र की जॉच करेंगे।
2. हिन्दी में किसी भी त्रुटि हेतु अंग्रेजी वर्जन का अवलोकन करे, तथा अंग्रेजी वर्जन ही मान्य होगे।

3953/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जेयू में जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन

जम्मू, 22 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन- चुनौतियां और समाधान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन आज सुबह जम्मू विश्वविद्यालय जम्मू के ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह सभागार में किया गया।

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई) के निदेशक डॉ. कणाद दास इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे जबकि समारोह की अध्यक्षता जम्मू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. उमेश राय ने की।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए जम्मू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. उमेश राय ने जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न स्थानीय और क्षेत्रीय चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए विविध वैज्ञानिक विषयों के एकीकरण की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने रेखांकित किया कि टिकाऊ और समुदाय-उन्मुख समाधान विकसित करने के लिए अंतःविषय दृष्टिकोण महत्वपूर्ण हैं। प्रोफेसर राय ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से जैव विविधता का नुकसान होता है जबकि यह नुकसान प्रकृति की कार्बन को अवशोषित करने और जलवायु को विनियमित करने की क्षमता को कम करके जलवायु परिवर्तन को खराब करता है। प्रकृति-आधारित समाधानों के माध्यम से पारिस्थितिक तंत्र की रक्षा और पुनर्स्थापित करना जलवायु प्रभावों के अनुकूल होने और आगे बढ़ती गर्मी को कम करने दोनों के लिए महत्वपूर्ण हो। इस संदर्भ में मॉडल विकसित करने के लिए गणित और संबद्ध विषयों का उपयोग वर्तमान समय की आवश्यकता है।

GOVERNMENT OF JAMMU & KASHMIR
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER JAL SHAKTI PHE DIVISION UDHAMPUR

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Bid Identification No. e-NIT No: 35 of 2025-26 dated 19-12-2025 under endorsement No. JSDU/ 8350-78 dated : 19-12-2025

For and on behalf of Lt. Governor of UT of Jammu & Kashmir, Executive Engineer, Jal Shakti (PHE) Division, Udhampur invite tenders by e-tendering mode on above / below percentage rate from approved and eligible Govt. contractors registered with J&K Govt./ CPWD/ MES and Railways etc. for the following works.

S. No	Name of Work	Estd. Cost (in lacs)	Cost of document/ tender fee (In Rs.)	Earnest Money @ 2%	Class of Contractor	Time of Completion
1	2	3	4	5	6	7
1	" providing Angle Iron posts of Size 50 x 50 x 6 mm in height of 2.10 mtr. for Divisional Store Udhampur "	0.65	200.00	1300.00	" D"	20 days

1.Date of Publishing 19-12-2025
2.Bid documents can be seen at and downloaded from the website http://jktenders.gov.in from 20-12-2025 from 10:00 (Hrs)
3.The Bids shall be deposited on the website http://jktenders.gov.in from 20-12-2025 (10:00 Hrs) to 26-12-2025 (1400 Hrs).
4.The complete bidding process will be online.
5.The Technical bids received shall be opened online on 27-12-2025 (1400 Hrs) in the office of Executive Engineer Jal Shakti PHE Division Udhampur.
6.Bids must be accompanied by cost of Tender Document and Earnest Money Deposit as specified in column 4 & 5 of the table payable at Udhampur pledged in favour of Executive Engineer, Jal Shakti PHE Division Udhampur Earnest money deposit (EMD) will have to be in form of CDR/FDR and shall have to be valid for 90 days. The cost of downloaded tender documents in the form of E-Challan, Treasury challan /Receipt under MH-0215 - WSS (Revenue Head) OR Tender fee can be submitted through NEFT / RTGS in J&K Bank Branch Udhampur bearing Bank Account No: 0028010200000047, IFSC code JAKA0UDMPUR in the official account of Executive Engineer Jal Shakti (PHE) Division Udhampur. EMD @ 2% shall be released on receipt of performance security @ 3% from the successful bidder which shall be released after completion of the defect liability period of the work and additional performance security (for un-balanced bid) shall be released after completion of work as certified by Asstt.

Sd/-
Executive Engineer.
Executive Engineer
Jal Shakti PHE Division Udhampur

DIP/J-9276/25
Dtd: 22-12-2025

वृक्षारोपण को लेकर द सोशल वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन ऑफ इंडिया और ऑल इंडिया पीपुल्स वेलफेयर सोसाइटी ने वन विभाग से मिलाया हाथ

अमीर इकबाल खान

भद्रवाह, 22 दिसंबर। देशव्यापी अभियान 'हरी धरती के लिए वृक्षारोपण' के अंतर्गत भद्रवाह के भलरा क्षेत्र में प्रस्तावित वृक्षारोपण कार्यक्रम को लेकर द सोशल वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन ऑफ इंडिया और ऑल इंडिया पीपुल्स वेलफेयर सोसाइटी के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को भद्रवाह के प्रभागीय वन अधिकारी संजय शर्मा से भेंट कर संयुक्त कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में वृक्षारोपण अभियान को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने हेतु आवश्यक समन्वय, तकनीकी मार्गदर्शन तथा विभागीय सहयोग पर विचार-विमर्श किया गया।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व द सोशल वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष ज़फ़र हुसैन वानी ने किया। प्रतिनिधिमंडल में महासचिव उमर टाक, संगठन मंत्री अंकित शर्मा, सचिव बद्री नाथ तथा कोषाध्यक्ष मोहम्मद सलीम बट्ट शामिल थे। प्रतिनिधियों ने वृक्षारोपण प्रयासों में स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी पर बल देते हुए अभियान की सफलता के लिए वन विभाग से आवश्यक लॉजिस्टिक एवं तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

इस अवसर पर प्रभागीय वन अधिकारी संजय शर्मा ने पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि वन विभाग पर्यावरण संरक्षण तथा सतत वन प्रबंधन के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ऐसे संयुक्त प्रयास हरित आवरण बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति जन-जागरूकता को भी सुदृढ़ करेंगे।

प्रस्तावित वृक्षारोपण कार्यक्रम का उद्देश्य बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों और स्थानीय नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित कर पारिस्थितिक संतुलन को मजबूत करना तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने की क्षमता बढ़ाना है। अधिकारियों के अनुसार, सामाजिक संगठनों और वन विभाग के बीच यह सहयोग जमीनी स्तर पर पर्यावरणीय चेतना के प्रसार और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन से मुकाबला करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पुरमंडल बस स्टैंड और गुप्त गंगा परिसर में बदहाल हालात, श्रद्धालु परेशान

जम्मू, 22 दिसंबर (हि.स.)। पुरमंडल बस स्टैंड और प्रसिद्ध धार्मिक स्थल गुप्त गंगा परिसर में अव्यवस्था चरम पर पहुंच गई है जिससे श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बस स्टैंड पर जगह-जगह टूटी बेंचें और कुर्सियां पड़ी हैं जबकि गुप्त गंगा क्षेत्र में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। श्रद्धालुओं ने बताया कि यहां का शौचालय वर्षों से बंद पड़ा है और जर्जर हालत में है। मानसर-सुरुईसर विकास प्राधिकरण और ग्रामीण विकास विभाग के अधीन आने वाले इस ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल की नियमित देखरेख न होने के कारण हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं।

संपादकीय

ग्रामीण दुविधा

भारत में ग्रामीण विकास का परिदृश्य विकसित भारत गारंटी फॉर रोज़गार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण), जिसे VB-G RAM G बिल, 2025 के नाम से जाना जाता है, की शुरुआत के साथ एक महत्वपूर्ण बदलाव के लिए तैयार है। समर्थक इसे लाखों ग्रामीण परिवारों के लिए रोज़गार सुरक्षा और आजीविका सहायता की दिशा में एक साहसिक कदम बता रहे हैं, जबकि आलोचकों ने इसके प्रभावों, समय और कार्यान्वयन के बारे में गंभीर चिंताएँ जताई हैं। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने घोषणा की कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को VB-G RAM G बिल को मंज़ूरी दे दी है। संसद में ज़ोरदार विपक्षी विरोध के बीच पारित इस कानून का मकसद मौजूदा ग्रामीण रोज़गार कानून, MGNREGA को बदलना है, और यह प्रति वित्तीय वर्ष प्रति ग्रामीण परिवार को 125 दिनों के वेतन रोज़गार की गारंटी देता है। सरकार ने इस बात पर ज़ोर दिया है कि नई योजना विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय विज़न के अनुरूप एक ग्रामीण विकास ढाँचा बनाने, आधुनिक बुनियादी ढाँचे, कौशल विकास और स्थायी आजीविका को बढ़ावा देने का प्रयास करती है। हालांकि, विपक्ष ने इस कदम की कड़ी निंदा की है। कांग्रेस पार्टी ने 21 दिसंबर, 2025 को ज़िला मुख्यालयों पर देशव्यापी विरोध प्रदर्शन किया, और सरकार की MGNREGA को प्रभावी ढंग से खत्म करने के लिए आलोचना की। पार्टी नेताओं ने तर्क दिया कि इस अधिनियम को एक गारंटीशुदा कानूनी अधिकार से बदलकर एक विवेकाधीन योजना में बदल दिया गया है जो बजट आवंटन पर बहुत ज्यादा निर्भर है। उन्होंने चेतावनी दी कि केंद्रीकरण और पुनर्गठन ने कार्यक्रम की मांग-आधारित प्रकृति को कमज़ोर कर दिया है, जिससे लाखों ग्रामीण परिवार कमज़ोर और अपनी आजीविका के बारे में अनिश्चित हो गए हैं।

कानूनी और प्रशासनिक बहसों से परे, विचार करने के लिए एक व्यापक सामाजिक-आर्थिक आयाम भी है। MGNREG जैसी ग्रामीण रोज़गार योजनाओं ने ऐतिहासिक रूप से स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक स्टेबलाइज़र के रूप में काम किया है, जो एक सुरक्षा जाल प्रदान करती है जो शहरों में बड़े पैमाने पर संकट प्रवास को रोकती है और कृषि उत्पादकता का समर्थन करती है। ऐसी योजनाओं में किसी भी रुकावट या अनिश्चितता के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं - जिससे घरेलू खपत कम हो सकती है, ग्रामीण बाज़ार धीमे हो सकते हैं, और सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ बढ़ सकती हैं। VB-G RAM G के लिए चुनौती न केवल रोज़गार देना होगा, बल्कि यह सुनिश्चित करना होगा कि यह सुधार नई कमज़ोरियाँ पैदा करने के बजाय ग्रामीण लचीलेपन को मज़बूत करे। यह बहस भारत की विकास रणनीति में एक बड़े तनाव को रेखांकित करती है। एक तरफ़ ग्रामीण भारत को मॉडर्नाइज़ करने और VB-G RAM G के तहत स्ट्रक्चर्ड रोज़गार सुनिश्चित करने का सरकार का महत्वाकांक्षी विज़न है। दूसरी तरफ़ विपक्ष और सिविल सोसाइटी की चेतावनी भरी आवाज़ है, जो फंडिंग, लागू करने और उन समुदायों के लिए निरंतरता में संभावित कमियों को उजागर कर रही है, जो दशकों से MGNREG पर निर्भर रहे हैं। पारदर्शिता, समान पहुंच और ग्रामीण मज़दूरों के अधिकारों की सुरक्षा के बारे में सवाल इस चर्चा के केंद्र में बने हुए हैं फिर भी, VB-G RAM G बिल सिर्फ़ एक कानूनी बदलाव से कहीं ज़्यादा है - यह इरादे का एक बयान है। इसकी सफलता न केवल कानून बनने पर, बल्कि कड़े एग्जीक्यूशन, सामुदायिक भागीदारी और ऐसे मैकेनिज़्म पर निर्भर करेगी जो यह सुनिश्चित करें कि यह योजना वास्तव में ग्रामीण परिवारों को सशक्त बनाए, न कि एक अनिश्चितता को दूसरी से बदल दे। अगर इसे अच्छी तरह से मैनेज किया जाए, तो यह दशकों तक ग्रामीण विकास की नींव बन सकता है, जिससे भारत आत्मनिर्भर और समृद्ध विकसित भारत 2047 के विज़न के करीब पहुंच सकेगा।

बदलती व्यापक अर्थव्यवस्था में ग्रामीण रोजगार पर पुनर्विचार

साथ ही, कार्यान्वयन के नतीजे वैधानिक पात्रता और वास्तविक उपलब्धता के बीच लगातार अंतर को दर्शाते हैं। हालांकि कानून प्रति परिवार 100 दिनों के रोजगार की गारंटी देता है, लेकिन अधिकांश वर्षों में प्रदान किए गए कार्य दिवसों की औसत संख्या इस सीमा से काफी कम रही है। इससे स्वतः स्थिरीकरण के रूप में सार्वजनिक रोजगार की भूमिका कमजोर होती है और मंदी के दौरान ग्रामीण मांग को समर्थन देने की इसकी क्षमता भी कम हो जाती है।
इस लिहाज़ सेप्रति परिवार वैधानिक गारंटी को 100 से बढ़ाकर 125 दिन करना एक ज़रुरी व्यापक आर्थिक फैसला है। यह कमजोर परिवारों के लिए आय की पूर्वानुमान्यता में सुधार करता है और सार्वजनिक व्यय की प्रतिचक्रीय भूमिका को मजबूत करता है। जलवायु संबंधी मुश्किलों या कृषि में मंदी के दौर में, इस तरह का विस्तार उपभोग को बनाए रखने और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं में समस्याओं को सीमित करने में मदद कर सकता है।

प्रोफेसर ज्योतिष सत्यापालन, एनआईआरडीपीआर

भारत की ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना को ऐसे समय में स्वरुप दिया गया था, जब ग्रामीण अर्थव्यवस्थाएं गंभीर आर्थिक संकट, सीमित गैर-कृषि अवसरों और कमजोर बुनियादी ढांचे से जूझ रहीं थीं। दो दशक बाद, व्यापक आर्थिक परिदृश्य बदल चुका है। गरीबी कम हुई है, ग्रामीण संपर्क में सुधार हुआ है और वित्तीय समावेशन का भी विस्तार हुआ है।

इसके बावजूद, सार्वजनिक रोजगार की मांग लगातार बनी हुई है, जिसका मुख्य कारण पूर्ण अभाव नहीं बल्कि आजीविका का जोखिम, जलवायु अस्थिरता और असमान क्षेत्रीय विकास है। यही बदलाव रोजगार गारंटी ढांचे में सुधार की मांग करता है।

व्यापक आर्थिक नज़रिए से देखें तो, मजदूरी-आधारित रोजगार कार्यक्रमग्रामीण अर्थव्यवस्था में स्थिरता लाने में लंबे समय से अहम भूमिका निभाते रहे हैं। ये मंदी के दौरान उत्पादों के उपभोग को सुचारू बनाते हैं, संकटग्रस्त पलायन को कम करते हैं और उन क्षेत्रों में मांग के लिए मददगार साबित होते हैं, जहां रोजगार के अवसर स्थिर नहीं रहते। भले ही सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि की हिस्सेदारी कम हुई है, फिर भी यह कार्यबल के एक बड़े हिस्से को रोजगार प्रदान करती है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में गैर-कृषि रोजगार सृजन में स्थिर विकल्प प्रदान करने के लिए पर्याप्त तेजी से वृद्धि नहीं हुई है। यही संरचनात्मक असंतुलन बताता है कि सार्वजनिक रोजगार आज भी क्यों ज़रुरी है।

विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक, 2025 ग्रामीण रोजगार को एक व्यापक राजकोषीय ढांचे में एकीकृत करने का प्रयास करता है। इसे केवल कल्याणकारी व्यय के रूप में मानने के बजाय, विधेयक आजीविका सुरक्षा को उत्पादकता, संपत्ति सृजन और योजनाओं के समन्वय से जोड़ता है, जो विकसित भारत, 2047 के दीर्घकालिक विकास दृष्टिकोण के अनुरूप है।

पिछले करीब दो दशकों के अनुभव से पता चलता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में वेतनभोगी रोजगार की ज़रुरत खत्म नहीं हुई है। हालांकि दीर्घकालिक गरीबी में कमी आई है, फिर भी ग्रामीण परिवारों का एक बड़ा हिस्सा जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य आपात स्थितियों और बाजार में उतार-चढ़ाव से प्रभावित होता रहता है। वर्षा आधारित, जनजातीय और सूखाग्रस्त क्षेत्रों में सार्वजनिक रोजगार की तेज़ मांग बनी हुई है। यह स्थायी गरीबी के बजाय आय में अस्थिरता को दर्शाता है।

साथ ही, कार्यान्वयन के नतीजे वैधानिक पात्रता और वास्तविक उपलब्धता के बीच लगातार अंतर को दर्शाते हैं। हालांकि कानून प्रति परिवार 100 दिनों के रोजगार की गारंटी देता है, लेकिन अधिकांश वर्षों में प्रदान किए गए कार्य दिवसों की औसत संख्या इस सीमा से काफी कम रही है। इससे स्वतः स्थिरीकरण के रूप में सार्वजनिक रोजगार की भूमिका कमजोर होती है और मंदी के दौरान ग्रामीण मांग को समर्थन देने की इसकी क्षमता भी कम हो जाती है।

इस लिहाज़ सेप्रति परिवार वैधानिक गारंटी को 100 से बढ़ाकर 125 दिन करना एक ज़रुरी व्यापक आर्थिक फैसला है। यह कमजोर परिवारों के लिए आय की पूर्वानुमान्यता में सुधार करता है और सार्वजनिक व्यय की प्रतिचक्रीय भूमिका को मजबूत करता है। जलवायु संबंधी मुश्किलों या कृषि में मंदी के दौर में, इस तरह का विस्तार उपभोग को बनाए रखने और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं में समस्याओं को सीमित करने में मदद कर सकता है।

पिछले अनुभवों से मिला एक अहम वित्तीय सबक यह हैकि संपत्ति सृजन से जुड़ा ग्रामीण रोजगार अधिक प्रभावी परिणाम देता है। समय के साथ, जल संरक्षण, भूमि विकास और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन कार्यों के ज़रिए रोजगार का एक बड़ा हिस्सा सृजित हुआ है। इन निवेशों से कई लाभ मिले हैं, जिनमें फसल सघनता में सुधार, भूजल स्तर में स्थिरता और सूखे के प्रति जोखिम में कमी शामिल है।

नए ढांचा के तहत जल सुरक्षा, मूलभूत ग्रामीण अवसंरचना, आजीविका संबंधी संपत्तियों और जलवायु के लिहाज़ से कार्यों को रोजगार नियोजन के केंद्र में रखा गया है। यह रोजगार व्यय को मुख्य रूप से राजस्व व्यय के रूप में देखने से हटकर, इसे एक विकेंद्रीकृत सार्वजनिक निवेश के रूप में मान्यता देने की दिशा में बदलाव का संकेत है। वित्तीय नज़रिए से, यह सार्वजनिक व्यय के उत्पादन मूल्य में सुधार करता है और मध्यम अवधि के विकास को बढ़ावा देता है।संपत्ति-केंद्रित रोजगार संवेदनशील क्षेत्रों में राहत व्यय पर बार-बार निर्भरता को कम करके भविष्य के वित्तीय दबावों को भी कम करता है। इन मायनों में, विधेयक अल्पकालिक आय सहायता को दीर्घकालिक उत्पादकता लाभों के साथ संरेखित करता है।

पहले के कार्यान्वयन में एक और बाधा टुकड़ों में बंटी योजनाएं थी। अलग-थलग, योजना-आधारित कार्यों ने पैमाने को सीमित कर दिया और संपत्तियों की गुणवत्ता को कमजोर कर दिया। विकसित ग्राम पंचायत योजनाओं की शुरुआत ने रोजगार कार्यों को एकीकृत, ग्राम-स्तरीय विकास योजनाओं के तहत रखकर इस समस्या का समाधान किया है।

स्थानिक उपकरणों का उपयोग करके तैयार की गई और राष्ट्रीय योजना प्लेटफार्मों के अनुरूप बनाई गई ये योजनाएं बुनियादी ढांचे, जल, आवास और आजीविका निवेशों में समन्वय को बेहतर बनाती हैं। कार्यों को एक एकीकृत ग्रामीण बुनियादी ढांचे के ढांचे में समेकित करने से दोहराव कम होता है और सार्वजनिक निवेश की दक्षता में सुधार होता है। इससे ग्रामीण रोजगार को एक समानांतर प्रणाली के रूप में मानने के बजाय व्यापक विकास प्रक्रिया के तहत रखा जाता है। राज्यों को बुवाई और कटाई के लिए सर्वश्रेष्ठ मौसमों के दौरान 60 दिनों तक सार्वजनिक कार्यों को रोकने की अनुमति देने वाले प्रावधान का श्रम बाजार पर साफ असर दिखाई देता है।इन अवधियों के दौरान, कृषि श्रमिकों की मांग बढ़ जाती है और बाजार मजदूरी में वृद्धि होती है। एक साथ चल रहे बड़े सार्वजनिक निर्माण कार्यों से श्रम की उपलब्धता पर दबाव पड़ सकता है, किसानों के लिए इनपुट लागत बढ़ सकती है और उत्पादन प्रभावित हो सकता है। स्थानीय स्तर पर निर्धारित समय-सीमा के भीतर सार्वजनिक रोजगार को रोकना, कृषि गतिविधियों को प्रभावित करने से रोकने में मददगार होती है। अहम बात यह है कि उच्च वार्षिक रोजगार गारंटी कार्यदिवसों में मौसमी कमी की भरपाई कर देती है। अग्रिम योजना के साथ, रोजगार को कम काम वाले समय में भी वितरित किया जा सकता है, जिससे समग्र उपलब्धता में कमी नहीं आती और कृषि उत्पादकता और मजदूरी आय दोनों को मदद मिलती है।

इस विधेयक में राजकोषीय पूर्वानुमान में सुधार लाने के लिए मानक आवंटन का भी प्रावधान है। नियम-आधारित आवंटन राज्यों को मध्यम अवधि के राजकोषीय ढाँचे के तहत रोजगार व्यय की योजना बनाने की अनुमति देते हैं, जिससे विलंबित प्रतिपूर्ति और प्रतिक्रियाशील बजट जैसी समस्याओं का भी समाधान होता है। साझा राजकोषीय उत्तरदायित्व से बेहतर परिसंपत्ति चयन और रखरखाव को भी मदद मिलती है। इसके साथ ही, समानता संबंधी चिंताओं के लिए पारदर्शी आवंटन मानदंड, समय पर निधि की प्राप्ति और राजकोषीय रूप से कमजोर राज्यों के लिए सुरक्षा उपायों की ज़रुरत है। डिजिटल निगरानी, सार्वजनिक जानकारी प्रदान करना और मज़बूत सामाजिक लेखापरीक्षाओं पर जोर देने का मकसद व्यय अनुशासन में सुधार करना और वितरण प्रणालियों में विश्वास बहाल करना है।

अहम बात यह है कि विधेयक रोजगार गारंटी के अधिकार-आधारित मूल सिद्धांतों को बरकरार रखता है, जिसमें अधिसूचित वेतन दरें और रोजगार न मिलने की स्थिति में बेरोजगारी भत्ता शामिल है। वर्तमान में जो बदला है, वह इन अधिकारों को प्रदान करने का ढांचा है। जलवायु जोखिम, असमान विकास और श्रम बाजार की बाधाओं से प्रभावित ग्रामीण अर्थव्यवस्था में, सार्वजनिक रोजगार एक ज़रुरी व्यापक आर्थिक साधन बना हुआ है। अधिकारों का विस्तार करके, योजनाओं में सुधार करके, परिसंपत्ति गुणवत्ता और राजकोषीय अनुशासन को मज़बूत करके, नया ढांचा ग्रामीण रोजगार के मूल वादे को नवीनीकृत करने का प्रयास करता है।

बदलते व्यापक आर्थिक परिदृश्य में, अनुभवों के आधार पर सुधार करना पीछे हटना नहीं, बल्कि नवीनीकरण करना है।

फिजाओं में घुला जहर

मुकुंद

इस साल 13 दिसंबर को दिल्ली ही नहीं, उसके आसपास के शहर गैस चैंबर में तब्दील हो गए। यह तारीख साल के सबसे प्रदूषित दिनों के कैलेंडर में दर्ज हो गई। नोएडा में तो वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 455 तक पहुंच गया। नोएडा ही नहीं ग्रेटर नोएडा, दिल्ली, गाजियाबाद और पानीपत में वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में पहुंच गई। यहां एक्यूआई 400 के पार पहुंच गया। शिलांगवासी खुशकिस्मत रहे। उनके यहां की हवा सबसे साफ रही। यहां का वायु गुणवत्ता सूचकांक महज 14 रहा। देश की राजधानी दिल्ली का एक्यूआई 431 तक पहुंच गया।

देश में वायु गुणवत्ता सूचकांक जारी करने वाले केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 13 दिसंबर को 251 शहरों के आंकड़े भी जारी किए। इनके विश्लेषण में कहा गया कि महज 3.6 फीसदी शहरों में हवा साफ है। 22.3 फीसदी में स्थिति संतोषजनक है, ज74.1 फीसदी शहरों में हालात चिंताजनक हैं। इस तारीख को फरीदाबाद में वायु गुणवत्ता सूचकांक 214 रिकॉर्ड किया गया है। प्रदूषण के लिहाज से ग्रेटर नोएडा (442) दूसरे जबकि दिल्ली (431) तीसरे स्थान रही। 430 अंकों के साथ गाजियाबाद चौथे स्थान पर रहा। पानीपत का एक्यूआई 426, हापुड़ और मेरठ का का 355 रहा।

देश में नोएडा की हवा सबसे ज्यादा प्रदूषित रही।

एक दिन पहले 12 दिसंबर को नोएडा में एक्यूआई 386 दर्ज किया गया था। 24 घंटे में 69 अंकों के उछाल से मेहनतकश लोग हांफने लगे। फिजाओं में घुला यह जहर लोगों बीमार बना देने के लिए काफी है। नोएडा में स्थिति किस कदर खराब रही, इसी बात से समझा जा सकता है कि वहां प्रदूषण का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन के निर्धारित सुरक्षित मानकों से 2,900 फीसदी अधिक रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार 13 दिसंबर को मात्र 3.6 फीसदी शहरों की हवा साफ रही। इन शहरों के इतर देश के छह शहरों में हवा साफ रही। इन शहरों में चिकमगलुरु, दमोह, कलबुर्गी, किशनगंज, कुंजेमुरा, शिलांग और तिरुनेलवेली शामिल हैं।

कई दफा कई तारीखें कभी न भूलने वाली बन जाती हैं। मसलन 21 दिसंबर की रात बेहद सर्द रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग 22 दिसंबर की दोपहर भविष्यवाणी की है कि जम्मू और कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में अगले 24 घंटों के दौरान भारी बर्फबारी हो सकती है। यही नहीं बर्फीले तूफान का भी सामना करना पड़ सकता है। दिल्ली-एनसीआर शीतलहर की चपेट में रहेंगे। घना कोहरा मुसीबत बढ़ा सकता है। तापमान गिरेगा। हवा की गुणवत्ता में सुधार के आसार नहीं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि इन दिनों उत्तर भारत का मौसम तेजी से बदलाव के दौर से गुजर रहा है। पहाड़ों में बर्फबारी शुरू हो चुकी है। मैदानी क्षेत्रों में घना कोहरा और ठंड लोगों की दिनचर्या को प्रभावित कर रही है। इस बदलाव के पीछे पश्चिमी विक्षोभ, उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट स्ट्रीम और अन्य मौसमी गतिविधियों को जवाबदेह माना जा रहा है। उत्तराखंड में दो तरह का मौसम है। यहां के मैदानी जिलों में घना कोहरा और कड़ाके की ठंड लोगों को परेशान कर रही है। ऊंचाई वाले हिमालयी इलाकों में बर्फबारी हो रही है। हिमाचल प्रदेश के रोहतांग पास, अटल टनल और शिंकू ला दर्रे पर हल्की बर्फबारी हुई है। निचले इलाकों में मौसम खराब बना हुआ है। शिमला, कुल्लू और मनाली में बादल छाए रहे।बिलासपुर और ऊना जैसे मैदानी जिलों में घना कोहरा देखा गया।

विभाग का मानना है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में आनेवाले दिनों में ठंड और कोहरे का असर और बढ़ेगा। दिल्ली में कोल्ड डे जैसी स्थिति बन बनने की संभावना है। उत्तर-पश्चिम भारत में अगले 24 घंटों तक न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। उत्तर प्रदेश में अगले तीन दिनों तक तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी संभव है। पूर्वी भारत में अगले तीन दिनों तक तापमान स्थिर रहने और बाद में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट के आसार हैं। मध्य भारत में अगले 24 घंटों में हल्की बढ़ोतरी के बाद तापमान गिर सकता है। महाराष्ट्र में भी अगले 24 घंटों में तापमान थोड़ा बढ़ने के बाद स्थिर रहने की उम्मीद है। देश के बाकी हिस्सों में अगले सात दिनों तक न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों में घने से बहुत घने कोहरे का अंदेशा जताया गया है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा में भी कुछ दिनों तक कोहरा रह सकता है। उत्तर आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में कुछ स्थानों पर शीतलहर चलने की आशंका है। उत्तराखंड, झारखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, बिहार और उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर भी कोल्ड डे की स्थिति बन सकती है। वैसे आज यानी 22 दिसंबर को दिल्ली-एनसीआर में वायु गणवत्ता सूचकांक खराब श्रेणी में ही रहा।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

किसानों के सबसे प्रिय रहे चौधरी चरण सिंह

डॉ.लोकेश कुमार

सच्चा भारत गांवों में बसता ह और एक राष्ट्र तभी समृद्ध हो सकता है जब उसका ग्रामीण क्षेत्र उन्नत हो। यह विचार हमारे पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के थे। चौधरी चरण सिंह की जयंती 23 दिसंबर को मनाई जाती है। उनका जन्म 23 दिसंबर, 1902 को हुआ । उनकी जयंती पर 2001 से प्रत्येक वर्ष किसान दिवस के रूप में पूरे देश में मनाया जाता है, ताकि भारतीय कृषि और ग्रामीण विकास में उनके योगदान को याद किया जा सके । उनके प्रयासों से किसानों के शोषण को रोकने, मंडी बिल पारित कराने और भूमि राजस्व से छूट दिलाने जैसे उल्लेखनीय कार्यों को अंजाम दिया गया।

देश में 'काम के बदले अनाज' कार्यक्रम भी उनकी प्रेरणा से प्रारंभ हुआ। वे किसानों के मसीहा, भूमि सुधारों के समर्थक, और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के उत्थान के लिए बहुत महत्वपूर्ण काम किए। वे भारत के पांचवें प्रधानमंत्री थे। राजनीति को सेवा के रूप में प्रारंभ करने वाले चौधरी चरण सिंह सबसे पहले ब्रिटिश काल में 1937 में छपरौली से उत्तर प्रदेश विधानसभा के लिए चुने गए। इसके बाद 1946, 1952, 1962 और 1967 में विधानसभा में अपने निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। वे 1946 में पंडित गोविंद बल्लभ पंत की सरकार में संसदीय सचिव बने और राजस्व, चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य, न्याय, सूचना इत्यादि विभिन्न विभागों में अपने कार्य की दक्षता का परिचय दिया । उनको जून 1951 में राज्य के कैबिनेट मंत्री बनाया गया और न्याय तथा सूचना विभागों का प्रभार दिया गया। इसके बाद में 1954 में वे डॉ. सम्पूर्णानन्द के मंत्रिमंडल में राजस्व एवं कृषि मंत्री बने।

अप्रैल 1959 में उन्होंने अपने पद से इस्तीफा देकर राजस्व एवं परिवहन विभाग का प्रभार संभाला । सी.बी. गुप्ता के मंत्रालय में चौधरी चरण सिंह गृह एवं कृषि मंत्री (1960) थे। श्रीमती सुचेता कृपलानी के मंत्रालय में वे कृषि एवं वन मंत्री (1962-63) रहे। उन्होंने 1965 में कृषि विभाग छोड़कर ,1966 में स्थानीय स्वशासन विभाग का प्रभार संभाल लिया। कांग्रेस विभाजन के बाद फरवरी 1970 में दूसरी बार वे कांग्रेस पार्टी के समर्थन से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। हालांकि राज्य में 2 अक्टूबर 1970 को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था। चौधरी चरण सिंह ने विभिन्न पदों पर रहते हुए उत्तर प्रदेश के लोगों की सेवा की और उनकी ख्याति एक किसान राजनेता के रूप में हो गई थी। उनकी प्रशासन पर पकड़, भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करते थे। प्रतिभाशाली सांसद एवं व्यवहारवादी के रूप में चौधरी चरण सिंह अपने वाक्पटुता एवं दृढ़ विश्वास के लिए जाने जाते हैं।

उत्तर प्रदेश में भूमि सुधार का पूरा श्रेय उन्हें ही जाता है। ग्रामीण देनदारों को राहत प्रदान करने वाला विभागीय ऋणमुक्ति विधेयक, 1939 को तैयार करने एवं इसे अंतिम रूप देने में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। ऋणमुक्ति विधेयक 1939 मुख्य रूप से भारत में, विशेषकर उत्तर प्रदेश में, ग्रामीण किसानों और देनदारों को साहूकारों के पंजों से बचाने के लिए यह बिल लाया गया था, जिसमें चौधरी चरण सिंह जैसे नेताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, और इसका उद्देश्य कृषि ऋणों से संबंधित मुद्दों को हल करना था, जिससे किसानों को न्याय और राहत मिल सके। यह विधेयक भूमि सुधार और ग्रामीण ऋणों के पुनर्गठन से जुड़ा था जिससे किसानों की स्थिति में सुधार किया जा सके। ग्रामीण क्षेत्रों में, खासकर उत्तर प्रदेश में, कर्जदारों (किसानों) को साहूकारों के शोषण से बचाना और कृषि ऋणों को नियंत्रित करना।

चरण सिंह ने इस विधेयक को तैयार करने और इसे अंतिम रूप देने में अहम भूमिका निभाई थी, जो किसानों के अधिकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस तरह के विधेयकों ने काश्तकारों (किरायेदार किसानों) के अधिकारों को मजबूती प्रदान की और भूमि सुधारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया, जिससे भूमि स्वामित्व और ऋणों के संबंध में अधिक समानता स्थापित हो सके। यह विधेयक 1939 के आसपास के भूमि सुधार आंदोलनों के प्रयासों का हिस्सा था, जिनका लक्ष्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना था।

ऋणमुक्ति विधेयक 1939 किसानों और ग्रामीण देनदारों के लिए एक राहत उपाय था, जो भूमि सुधार और कृषि ऋणों के विनियमन के माध्यम से सामाजिक न्याय स्थापित करने का प्रयास करता था।

देश के वे ऐसा राजनेता थे जिन्होंने लोगों के बीच रहकर सरलता से कार्य करते हुए इतनी लोकप्रियता हासिल कर ली। एक समर्पित लोक कार्यकर्ता एवं सामाजिक न्याय में दृढ़ विश्वास रखने वाले चौधरी चरण सिंह को लाखों किसानों के बीच रहकर प्राप्त आत्मविश्वास से काफी बल मिला। चौधरी चरण सिंह ने अत्यंत साधारण जीवन व्यतीत किया और अपने खाली समय में वे पढ़ने और लिखने का काम करते थे। उनके द्वारा की गई पहल का ही परिणाम था कि उत्तर प्रदेश में मंत्रियों के वेतन और उन्हें मिलने वाले अन्य लाभों को काफी कम कर दिया गया था। मुख्यमंत्री के रूप में जोत अधिनियम, 1960 को लाने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। यह अधिनियम जमीन रखने की अधिकतम सीमा को कम करने के उद्देश्य से लाया गया था ताकि राज्य भर में इसे एक समान बनाया जा सके। चौधरी चरण सिंह के मुख्य कार्यों में उत्तर प्रदेश में भूमि सुधार (ज़मींदारी उन्मूलन, जोत अधिनियम), किसानों और ग्रामीण भारत के सशक्तिकरण के लिए कानून बनाना और एक साधारण, गांधीवादी जीवनशैली के साथ एक कुशल प्रशासक के रूप में कार्य करना शामिल हैं।

वे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में और बाद में भारत के उप-प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करते हुए ग्रामीण उत्थान और कृषि क्षेत्र को मजबूत करने पर बहुत ध्यान केंद्रित किया। वे एक विद्वान के रूप में, उन्होंने भारत की आर्थिक नीति में ग्रामीण क्षेत्रों और कृषि के महत्व पर जोर दिया और इस विषय पर कई किताबें लिखीं। वे अपनी सादगी, सत्यनिष्ठा और नैतिक आचरण के लिए मशहूर थे, जिससे उन्हें किसानों के बीच अपार लोकप्रियता मिली। उनके द्वारा लिखी गई किताबें बहुत लोकप्रिय हैं-इनमें 卐भारत की गरीबी और उसका समाधान卐, 卐जमींदारी उन्मूलन卐 और 卐संयुक्त खेती का एक्स-रे卐 किताबे लिखीं, जो आज भी प्रासंगिक बनी हुई हैं। बहलहाल, हम कह सकते हैं कि चौधरी चरण सिंह का जीवन का मुख्य कार्य भारत के ग्रामीण और कृषि क्षेत्र को मजबूत करना , खेती और किसानों के अधिकारों की रक्षा करना था।

(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार हैं)

विराट कोहली- रोहित शर्मा ने विजय हजारे ट्रॉफी में कितने रन बनाए हैं? ऐसा है रिकॉर्ड

रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिए विजय हजारे ट्रॉफी के मुकाबले अहम होने की वजह हैं. इससे उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ जनवरी में होने वाली वनडे सीरीज की तैयारियों में मदद मिलेगी.

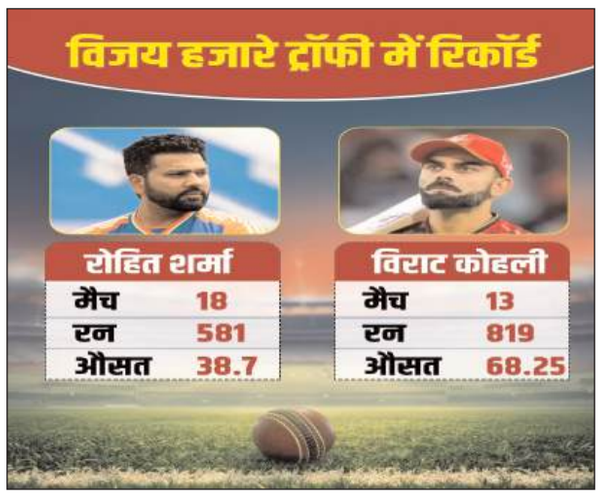

एजेंसी

नई दिल्ली। BCCI के घरेलू वनडे टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी की शुरुआत 24 दिसंबर से होने जा रही है. इस टूर्नामेंट को लेकर इस बार ज्यादा चर्चा इसलिए हैं क्योंकि उसमें सालों बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली खेलने वाले हैं. रोहित शर्मा 7 साल पहले इस टूर्नामेंट में आखिरी बार खेले थे. वहीं विराट कोहली तो 15 साल बाद इस टूर्नामेंट में वापसी करते दिखेंगे. लेकिन, हमारा सवाल ये नहीं कि विराट-रोहित आखिरी बार विजय हजारे ट्रॉफी में कब खेले थे बल्कि ये है कि उन्होंने इस टूर्नामेंट में कितने रन बनाए हैं? उन दोनों का रिकॉर्ड कैसा है?

रोहित शर्मा ने विजय हजारे ट्रॉफी में कितने रन बनाए?

सबसे पहले रोहित शर्मा का रिकॉर्ड देखते हैं. 2018 के बाद पहली बार विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने जा रहे रोहित शर्मा ने इस टूर्नामेंट में अब तक 18 मैच खेले हैं. उन 18 मुकाबलों की 17 पारियों में रोहित शर्मा ने 581 रन 38.7 की औसत से बनाए हैं. वहीं इस दौरान उनके बल्ले से 1 शतक और 3 अर्धशतक निकले हैं.

विराट कोहली ने विजय हजारे ट्रॉफी में कितने रन बनाए?

इसी तरह विराट कोहली के के प्रदर्शन पर गौर करें तो उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में खेले 13 मुकाबलों में 819 रन 68.25 की औसत से बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 106.08 का रहा है. इस दौरान उन्होंने 4 शतक और 3 अर्धशतक बनाए हैं. विराट इस टूर्नामेंट में आखिरी बार 2009-10 में खेलते दिखे थे. उस सीजन 5 पारियों में 229 रन बनाए थे, जिसमें उनका औसत 45.80 और स्ट्राइक रेट 102.23 का रहा था.

विजय हजारे ट्रॉफी में किसकी कप्तानी में खेलेंगे रोहित-विराट?

विजय हजार ट्रॉफी 2025-26 के लिए विराट कोहली का सेलेक्शन दिल्ली की टीम में हुआ है, जहां वो ऋषभ पंत की कप्तानी में खेलेंगे. वहीं रोहित शर्मा मुंबई की टीम में चुने गए हैं, जहां वो शार्दुल ठाकुर की कप्तानी में खेलते नजर आएंगे. हालांकि, रोहित-विराट में से कोई भी पूरे सीजन में नहीं खेलेगा. रोहित का सेलेक्शन मुंबई की टीम में जहां सिर्फ 2 मैचो के लिए हुआ है.

वहीं विराट को लेकर खबर है कि वो भी 3 मैच से ज्यादा नहीं खेलेंगे. विजय हजारे ट्रॉफी 2025 में दिल्ली की टीम अपने अभियान का आगाज आंध्र प्रदेश के खिलाफ करेगी. वहीं मुंबई सिक्किम के खिलाफ टूर्नामेंट का पहला मैच खेलेगी.

सात्विकसाईराज और चिराग की जोड़ी बीडब्लयूएफ विश्व टूर के सेमीफाइनल में हारी

हांगझू (एजेंसी)। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग से हार के साथ ही बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर बैडमिंटन फाइनल्स से बाहर हो गई है। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम जीता था पर इसके बाद वह अपनी लया बनाये नहीं रख पायी और एक घंटे तीन मिनट तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में 21-10, 17-21 13-21 से हार गयी। सात्विक और चिराग की जोड़ी को ग्रुप चरण में इस चीनी जोड़ी के खिलाफ जीत मिली थी पर सेमीफाइनल में वह इस सिलसिले को बरकारार नहीं रख पाये। चीनी जोड़ी इस बार भारतीय जोड़ी पर भारी पड़ी। मैच के बाद शेट्टी ने कहा, ''मुझे लगता है कि हमने पहले गेम में काफी अच्छी शुरुआत की पर उसे बनाये नहीं रख पाये। । वहीं इससे पहले

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ जीत के साथ ही बीडब्लयूएफ विश्वटूर के सेमीफाइनल में पहुंची थी। भारतीय टीम ने मलेशिया की आरोन चिया और सोह वूई यिक की जोड़ी को एक घंटे से अधिक समय तक चले रोमांचक मुकाबले में 17-21, 21-18, 21-15 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। इस जीत के साथ ही सात्विक-चिराग सत्र के अंतिम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष जोड़ी बन गई है। इस मैच में पहले गेम में हार के बाद भी इस जोड़ी ने जबरदस्त प्रदर्शन कर वापसी की। अब सेमीफाइनल में इस जोड़ी का मुकाबला चीन के लियांग वेइ केंग और वांग चांग से होगा। गौरतलब है कि बीडब्लयूएफ विश्वटूर फाइनल्स साल का सबसे बड़ा बैडमिंटन टूर्नामेंट है, जिसमें हर वर्ग में विश्व के शीर्ष 8 खिलाड़ी शामिल होते हैं। इसमें ग्रुप स्तर के बाद सेमीफाइनल और फाइनल खेले जाते हैं।

रोहित ने साहा को सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपरों में से एक बताया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने विकेटकीपर बल्लेबाज विद्धिमान साहा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसे वह स्थान नहीं मिला जो मिलना चाहिये था। रोहित का मानना है कि साहा देश के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपरों में से एक हैं। साथ ही कहा कि उनका तकनीकी कौशल अच्छा है। वह तेज और विविधता भरी गेंदबाजी के खिलाफ एक बेहतरीन विकेटकीपर रहे हैं। उनकी विकेट के पीछे कैच पकड़ने और स्टंपिंग की क्षमता जबरदस्त रही है। साहा ने रविन्द्र जडेजा और आर अश्विन की गेंदबाजी के सामने भी काफी कठिन कैच लिए हैं। इससे वह भारत का सबसे कुशल विकेटकीपर बनाता है। रोहित न साहा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्हें भारत में ऐसा विकेटकीपर कभी नहीं देखा। टेस्ट मैच में गेंद अक्सर घूमती और नीची रहती है पर साहा कभी गलती नहीं करते थे। जडेजा और अश्विन जैसी स्पिनरों के सामने सभी वह आसानी से विकेटकीपिंग करते थे। को सहजता से इससे बाद भी उनकी काफी कम तारीफ हुई है। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में साहा ने महेन्द्र सिंह धोनी और ऋषभ पंत की तरह से काम किया है हालांकि साहा की शैली और तकनीक पारंपरिक रही है। साहा ने 40 टेस्ट मैचों में 104 शिकार किये हैं। जिनमें 92 कैच और 12 स्टंपिंग्स शामिल हैं। वहीं बल्लेबाजी में उन्होंने 1,353 रन बनाए, जिनमें 3 शतक और 6 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 9 एकदिवसीय ही खेले हैं। जहां धोनी तेज से कीपिंग करते थे वहीं साहा शैली में धीमे से अपना कौशल दिखाते हैं।

पाकिस्तान ने अंडर-19 एशिया कप 2025 में भारतीय टीम को 191 रनों से हराकर खिताब जीता

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान ने दुबई में खेले गए अंडर-19 एशिया कप 2025 का खिताब जीत लिया है। यहां हुए फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान ने भारतीय टीम को 191 रनों से हराकर बड़ी जीत दर्ज की है। इससे पाक टीम ने लीग मुकाबले के दौरान भारतीय टीम के हाथों मिली हार का हिसाब भी बराबर कर दिया। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पाक टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। पाक ने समीर मिन्हास के शानदार शतक से आठ विकेट पर 347 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 348 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ढ़ह गयी और 26.2 ओवर में 156 रनों पर ही सिमट गयी। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान आयुष म्हात्रे 2, जबकि आरोन जॉर्ज 16, वैभव सूर्यवंशी 26, विहान मल्होत्रा 7 और अभिज्ञान कुंडू 13 रनों पर ही आउट हो गये । इसके बाद सभी बल्लेबाज दो अंकों में भी नहीं पहुंच पाये। पाकिस्तान की ओर से अली राजा ने 4 विकेट लिए जबकि मोहम्मद सैयम ने 2 विकेट लिए। अब्दुल सुभन ने 2 विकेट और हुजाईफा अहसान ने भी इतने ही विकेट लिए

वहीं पहले बल्लेबाजी करते हए पाक टीम ने शुरुआत से आक्रामक रुख अपनाया और भारतीय गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। समीर ने गेंदबाज किशन सिंह और दीपेश देवेंद्रन के खिलाफ तेजी से शॉट खेले। समीर ने 113 गेंदों पर 17 चौके और 9 छक्के लगाकर 172 रन बनाए । समीर के अलावा अहमद हुसैन ने 72 गेंदों पर 56 रन बनाये। भारत की तरफ से दीपेश देवेन्द्रन ने 3 जबकि हेनिल पटेल और खिलान पटेल ने 2-2 विकेट लिए। पाक के हमजा जहूर 18 रन पर आउट हुए। जहूर के आउट होने के बाद उस्मान खान 35 उतरे और मिन्हास के साथ मिलकर 92 रन की भागीदारी करके स्कोर 123 रन तक पहुचाया। टूर्नामेंट में एक शतक और एक अर्धशतक जड़कर अच्छी फॉर्म में चल रहे बाएं हाथ के अहमद हुसैन ने 56 रन की पारी खेली पर बाएं हाथ के स्पिनर खिलन पटेल 44 रन देकर दो विकेट ने मध्यक्रम के इस बल्लेबाज को स्वीप शॉट खेलने के लिए ललचाया जिससे वह मिड-विकेट पर कैच आउट हो गए। उनके और मिन्हास के बीच 137 रन की भागीदारी ने पाकिस्तान को बड़े स्कोर तक पहुंचने में अहम भूमिका अदा की।

स्टेन ने हार्दिक को सुपरहीरो और सेलिब्रिटी खिलाड़ी बताया

अहमदाबाद (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने आक्रामक पारी खेलने वाले भारतीय टीम के ऑलराउडर हार्दिक पांड्या की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें सुपरहीरो कहा है।। स्टेन ने कहा कि पांड्या मानसिक रूप से काफी मजबूत खिलाड़ी हैं और उनकी चमक खेल में नजर आती है। पांड्या ने पांचवे टी20 में तेजी से अर्धशतक लगाते हुए भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। स्टेन ने कहा, ''हार्दिक ने शानदार प्रदर्शन किया। वह एक खिलाड़ी से आगे निकलकर से सेलिब्रिटी बन गये हैं। वह किसी एक फिल्म के सुपरहीरो जैसे हो गये हैं जहां कोई भी उनकी रणनीति नहीं बदल सकता।'' उन्होंने कहा, ''इसमें कोई गलती जैसे बात नहीं है, ये अपनी धाक जमाने जैसी बात है। यह एक ऐसा प्रभाव है जिसकी बराबरी कोई नहीं कर सकता। आप इसे उनकी भाव भंगिमा में देख सकते हैं। वह मानसिक रूप से एक अलग ही स्तर पर हैं। इस प्रकार वह अन्य खिलाड़ियों से आगे है।'' स्टेन ने कहा कि उनके तेज गेंदबाजों का रुख सतर्क नहीं रहा। जिससे उनकी टीम को नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, ''भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का प्रभाव अलग ही है। अगर आप उन्हें हावी होने का अवसर देते हैं तो ये नुकसानदेह रहेगा। वहीं दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों ने उनके सामने सतर्क रुख अपना नुकसान उठाया।''

पाकिस्तान से मात खाने के बाद वैभव सूर्यवंशी खेलेंगे अब ये बड़ा टूर्नामेंट, ऐसा है टीम का शेड्यूल

एजेंसी

नई दिल्ली। अंडर 19 एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान से मिली हार ने वैभव सूर्यवंशी को अंदर से झकझोरा है. उस हार ने 14 साल के सूर्यवंशी को काफी कुछ सिखाया भी है. जाहिर, अपनी गलतियों से वो आगे के लिए सबक लेंगे. लेकिन, इस बीच उनके फैंस को ये जानने में दिलचस्पी होगी कि वैभव सूर्यवंशी का अगला मैच अब कब है? वो फिर कब अपना बल्ला घुमाते मैदान पर दिखेंगे? इन सवालों का बस एक ही जवाब है विजय हजारे ट्रॉफी.

वैभव सूर्यवंशी का अगला मैच कब?

वैभव सूर्यवंशी अब अपना अगला मैच सबसे बड़े घरेलू वनडे टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते दिखेंगे. इस टूर्नामेंट के लिए उनका सेलेक्शन बिहार की टीम में हुआ हैं. वो बिहार की टीम के उपकप्तान भी बनाए गए हैं. विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में बिहार की टीम का शेड्यूल भी सामने आ गया है, जिससे पता चलता है वैभव सूर्यवंशी अगला मैच कब खेलेंगे?

कैसा है टीम का शेड्यूल?

विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में बिहार अपना पहला मैच अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ खेलेगी. ये मैच 24 दिसंबर को खेला जाएगा. बिहार का दूसरा मुकाबला मणिपुर से 26 दिसंबर को होगा. वहीं 29 दिसंबर को बिहार की टीम मेघालय के खिलाफ खेलेगी. बिहार का चौथा मैच टूर्नामेंट में नागालैंड से 31 दिसंबर को होगा. वहीं उसके बाद 3 जनवरी को बिहार की टीम मिजोरम से भिड़ेगी.

पहला मैच इस टीम के खिलाफ खेल सकते हैं

साफ है कि पाकिस्तान के खिलाफ अंडर 19 एशिया कप का फाइनल हारने के बाद वैभव सूर्यवंशी अब अपना अगला मैच विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में 24 दिसंबर को अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ खेलते दिखेंगे.

वैभव सूर्यवंशी कितनी बार खेल चुके हैं विजय हजारे?

वैभव सूर्यवंशी का ये दूसरा विजय हजारे टूर्नामेंट होगा. उन्होंने पिछले साल ही इस टूर्नामेंट में मध्यप्रदेश के खिलाफ डेब्यू किया था. 13 साल की उम्र में डेब्यू कर वो विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी थे. वैभव सूर्यवंशी ने उस मामले में अली अकबर का रिकॉर्ड तोड़ा था, जिन्होंने 14 साल में विदर्भ के लिए डेब्यू किया था.

हॉलैंड ने प्रीमियर लीग में सर्वाधिक गोल का रिकॉर्ड बनाया, रोनाल्डो को पीछे छोड़ा

लंदन। एर्लिंग हॉलैंड ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दो गोल करके इंग्लिश प्रीमियर लीग (EPL) में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में क्रिस्टियानो रोनाल्डो को पीछे छोड़ दिया जिससे मैनचेस्टर सिटी ने आसान जीत दर्ज करके अपनी जीत का सिलसिला पांच मैच तक पहुंचा दिया। मैनचेस्टर सिटी को इस जीत तीन अंक मिले, लेकिन यह आर्सेनल को क्रिसमस के दिन प्रीमियर लीग में शीर्ष पर रहने से रोकने के लिए पर्याप्त नहीं था। आर्सेनल ने विक्टर ग्योकेरेस के पहले हाफ में पेनल्टी पर किए गोल की बदौलत एवर्टन पर 1–0 की जीत हासिल की जिससे यह सुनिश्चित हो गया कि आर्सेनल 25 दिसंबर को प्रीमियर लीग में पांचवीं बार पहले स्थान पर रहेगा। इससे पहले जब चार अवसरों पर आर्सेनल क्रिसमस तक शीर्ष पर रहा था तब वह खिताब नहीं जीत पाया था। आर्सेनल के बाद मैनचेस्टर सिटी दूसरे स्थान पर है। वह आर्सेनल से केवल दो अंक पीछे है। उसने वेस्ट हैम को 3–0 से हराया। हॉलैंड ने दोनों हाफ में एक–एक गोल करके इस सत्र में 17 मैचों में 19 गोल कर लिए हैं। इस तरह से उन्होंने प्रीमियर लीग में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में रोनाल्डो को पीछे छोड़ दिया। हॉलैंड ने इस सत्र में सिटी और नॉर्वे के लिए कुल 28 मैचों में 38 गोल किए हैं। हॉलैंड के प्रीमियर लीग में 104 गोल हो गए, जो रोनाल्डो से एक अधिक है। लिवरपूल ने नौ खिलाड़ियों के साथ खेल रही टॉटेनहम की टीम को 2–1 से हराया जबकि चेल्सी ने दो गोल से पिछड़ने के बाद न्यूकैसल के खिलाफ 2–2 से ड्रॉ खेला।

IPL Auction 2026 में KKR ने जिसे दिए करीब 5 गुना ज्यादा पैसे

उसने 23 गेंदों में पलटा खेल, टीम को जिताया T20 मैच

ILT20: इंटरनेशनल लीग T20 में उस गेंदबाज का कमाल देखने को मिला, जिसने अपनी टीम को जिताने में गेंद से सामने वाली टीम का मिडिल ऑर्डर हिलाकर रख दिया. IPL 2026 में वो गेंदबाज KKR से खेलता दिखेगा.

एजेंसी

नई दिल्ली। 16 दिसंबर को जहां मुंहमांगी रकम से भी ज्यादा पैसे मिले. वहीं पर 21 दिसंबर को उस खिलाड़ी ने सिर्फ 23 गेंदों में गेम पलट दिया. हम बात कर रहे हैं बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान की, जिन्होंने 21 दिसंबर को अबू धाबी में खेले ड्रुस्झ20 के मुकाबले में अपनी टीम दुबई कैपिटल्स के लिए गेंद का गर्दा मचा दिया. उन्होंने अपने खतरनाक स्पेल से साबित कर दिया कि कोलकाता नाइट राइडर्स ने उन्हें करीब 5 गुना ज्यादा पैसे क्यों दे दिए?

जितने पैसे मांगे, उससे करीब 5 गुना ज्यादा मिले

मुस्तफिजुर रहमान ने IPL 2026 के ऑक्शन में अपनी बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये रखी थी. यानी, वो रकम जो उन्होंने खुद से मांगी थी. लेकिन, उन्हें मिले 9.20 करोड़ रुपये. यानी मांगी गई रकम से करीब-करीब 5 गुना ज्यादा पैसे. मुस्तफिजुर की गेंदबाजी की खासियत है उनकी कटर और उनका वैरिएशन. डेथ ओवर्स में तो वो बल्लेबाजों के लिए मुश्किल सवाल जैसे हैं. उनका मौजूदा फॉर्म भी दमदार हैं. अब जिस गेंदबाज में इतनी खूबियां कूट-कूट कर भरी हैं, जाहिर है उसे खरीदना च्यत्र के लिए आसान नहीं रहा होगा. च्यत्रको ष्ट्स्य से जोरदार टक्कर मिली. लेकिन, आखिर में करीब 5 गुना ज्यादा पैसे खर्च करना काम आ गया.

मुस्तफिजुर रहमान ने क्या किया?

अब जिस मुस्तफिजुर रहमान को खरीदने के लिए KKR ने इतने पैसे खर्च कर दिए, उन्होंने 21 दिसंबर को खेले मुकाबले में क्या किया, वो भी जान लीजिए. मुस्फिजुर की टीम दुबई कैपिटल्स का मुकाबला गल्फ जायंट्स से था. इस मैच में गल्फ जायंट्स ने पहले बैटिंग की, जिनके खिलाफ मुस्तफिजुर एंड कंपनी ने ऐसी गेंदबाजी की कि उनके लिए पूरे 20 ओवर खेलना मुश्किल हो गया.

मुस्तफिजुर रहमान अपनी टीम के सबसे सफल गेंदबाज रहे, जबकि उन्होंने अपने कोटे में एक गेंद कम फेंकी. मुस्तफिजुर ने 3.5 ओवर यानी 23 गेंदों में 34 रन देकर 3 विकेट लिए. उन्होंने जिन 3 बल्लेबाजों को आउट किया, उनमें गल्फ जायंट्स के कप्तान जेम्स विंस , अजमतुल्लाह ओमरजई और शॉन डीक्सन के विकेट शामिल रहे. मुस्तफिजुर के इस कमाल के प्रदर्शन का ही असर रहा कि गल्फ जायंट्स 19.5 ओवर में 156 रन बनाकर ऑलआउट हो गई.

दुबई कैपिटल्स की जीत के हीरो बने मुस्तफिजुर

दुबई कैपिटल्स को 157 रन का लक्ष्य मिला, जिसे उसने 4 गेंद पहले ही हासिल कर 6 विकेट से मुकाबला जीत लिया. दुबई कैपिटल्स ने 19.2 ओवर में 4 विकेट पर 162 रन बनाए. मुस्तफिजुर रहमान को उनके कमाल के प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

सैमसन का अंदर–बाहर होते रहने पर छलका दर्द

मुम्बई। भारतीय टीम से अंदर–बाहर होते रहे विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंतिम टी20 मैच में अच्छी बल्लेबाजी कर साबित किया है कि सलामी बल्लेबाज के तौर पर ही वह बेहतर बल्लेबाजी करते हैं। सैमसन को शुरुआती चार मैचों में जगह नहीं मिली थी। शुभमन गिल की वापसी के बाद उन्हें पारी की शुरुआत से हट दिया गया था जिसपर काफी सवाल भी उठे थे। वहीं उनकी टीम में जगह पक्की न होने को लेकर तर्क दिया जाता रहा है कि उनके खेल में निरंतरता की कमी रही है। शुभमन के चोटिल होने के कारण उन्हें अंतिम मैच में शामिल किय गया। वहीं समय–समय पर सैमसन ने टीम में जगह नहीं मिलने पर अपनी निराशा भी जाहिर की है। इरफान पठान से बातचीत के दौरान सैमसन का दिल् का गुब्बार निकल या। . इस दौरान सैमसन ने कहा कि लगातार अंदर–बाहर होने से उनका हौंसला टूटा है। पठान ने उनसे पूछा, 'आप जब मैच नहीं खेल रहे थे तो मजे के लिए क्या कर रहे थे?' इसके जवाब में सैमसन ने कहा,

'मजे के लिए इंतजार कर रह था बस। आप जानते हो इरफान भाई चयन के लिए हम ज्यादा कुछ नहीं कर नहीं सकते हैं। बस ट्रेनिंग करो और खुश रहो, जितना हो सकता है अपनी भागीदारी निभाओ।' वहीं जब पठान ने पूछा कि 'जब आप नहीं खेल रहे थे तो टीम प्रबंधन आपके से क्या बात कर रही थी और कितना बात कर रही थी।' इसपर सैमसपन ने कहा, 'टीम का माहौल बहुत महत्वपूर्ण रहता है। हमारे लीडरशिप ग्रुप में कप्तान सूर्यकुमार और कोच गौतम गंभीर के साथ मेरा बहुत अच्छा संबंध है इसलिए संपर्क हमेशा रहा है। इसपर इरफान ने पूछा कि ऐसे में उम्मीद है कि हम आपको अब लगातार पारी शुरु करते देखेंगे। इसप सैमसन ने हंसते हुए कहा कि ऐसा पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता है।

चूल्हे से सिलेंडर तक का सफर, 25 साल में ऐसे बदली आपके किचन की तस्वीर

शहरों से निकलकर गांव-देहात तक पहुंची LPG गैस ने बीते 25 सालों में भारतीय रसोई की तस्वीर बदल दी है. जहां एक ओर सिलेंडर के दाम कई गुना बढ़े, वहीं उज्ज्वला योजना, PAHAL-DBT और सब्सिडी नीतियों ने करोड़ों परिवारों को साफ, सुरक्षित और सुलभ ईंधन से जोड़े रखा.

एजेंसी

नई दिल्ली। शहरों तक सीमित रहने वाली एलपीजी गैस आज गांव-देहात की रसोई में भी आम हो चुकी है. मिट्टी के चूल्हों और लकड़ी-कोयले के धुएं से निकलकर देश की करोड़ों महिलाएं अब एलपीजी सिलेंडर के सहारे साफ, सुरक्षित और सुविधाजनक खाना बना रही हैं. बीते ढाई दशकों में यह बदलाव सिर्फ सरकारी योजना को धरातल पर लाने का ही नहीं, बल्कि बदलती सामाजिक सोच का भी है.

हालांकि, इस दौरान एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में लगातार इजाफा देखने को मिला है. 25 साल पहले जिस दाम पर गैस सिलेंडर उपलब्ध था, आज वह कई गुना बढ़ चुका है, जिससे आम उपभोक्ता पर बोझ भी बढ़ा है. दूसरी ओर, सरकार ने इस बढ़ते खर्च के असर को कम करने के लिए समय-समय पर कई सब्सिडी और कल्याणकारी योजनाएं लागू कीं. उज्ज्वला योजना से लेकर डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर (छ्क्क्ष) तक की सुविधा गरीब और मध्यम वर्ग को राहत देने और स्वच्छ ईंधन की पहुंच को व्यापक बनाने में मील का पत्थर साबित हुई.ऐसे में सवाल उठता है कि पिछले 25 वर्षों में एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में वास्तव में कितना इजाफा हुआ? सरकार ने एलपीजी को सस्ता और सुलभ बनाने के लिए कौन-कौन से कदम उठाए और इनका

आम लोगों की जिंदगी पर क्या असर पड़ा? इन्हीं पहलुओं को समझने के लिए जरूरी है कि हम आंकड़ों, नीतियों और जमीनी हकीकत- तीनों पर एक नजर डालें.

1989-2000: 57.60 से 232.25 पहुंचा दाम

25 साल से अगर थोड़ा और पहले जाएं तो न्यू इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 1989 में 14.2 द्मद्द वाले ख्क्ल सिलेंडर की कीमत 57.60 रुपये थी. साल गुजरते गए और एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में इजाफा होता चला गया. साल 2000 में इसमें अचानक उछाल आया और यह 146 रुपये से बढ़कर 196.55 रुपये हो गया और 2000 के अंत क यह दाम 232.25 रुपये तक पहुंच गया.

2001-2010: कीमतों में दिखी उठापटक

ख्क्ल की कीमतों के मामले में अगले 10 साल बहुत अहम थे, क्योंकि 2009 में कीमतें बढ़कर 346.30 रुपये हो गईं, हालांकि, 2009 में ही यह घटकर 279.70 रुपये हो गई थी, जिससे नागरिकों को काफी राहत मिली. हालांकि, यह खुशी ज्यादा समय तक नहीं रही क्योंकि 2010 में कीमतें फिर से बढ़ा दी गईं, जो 345.35 रुपये तक पहुंच गई.

2011 से 2025: LPG के दाम में जबरदस्त इजाफा

गुड रिटर्न्स के डेटा के मुताबिक, 2011 के बाद से एलपीजी गैस के दामों में तेजी से इजाफा हुआ. साल 2014 में कीमत 1241 रुपये तक पहुंच गई थीं, लेकिन 2015-16 में सब्सिडी समायोजन से यह 606 रुपये पर लुढ़की. 2020 तक 594 रुपये रही, फिर कोविड के बाद उतार-चढ़ाव के साथ 2024-25 में दिल्ली में 803-853 रुपये पर स्थिर हुई. कुल मिलाकर 25 सालों में 4-5 गुना वृद्धि हुई, लेकिन सब्सिडी ने गरीबों को राहत दी. वहीं, अभी मौजूदा रेट की बात करें तो गुड रिटर्न्स पर 14.2 किलोग्राम LPG सिलेडंर की कीमत अभी 852.50 रुपये है.

गरीबों तक पहुंची सरकारी सब्सिडी योजनाएं

सरकार ने एलपीजी को सुलभ बनाने के लिए कई कदम उठाए. 2015 में 'गिव इट अप' कैंपेन शुरू हुआ, जिसमें 1 करोड़ से ज्यादा ने स्वेच्छा से सब्सिडी छोड़ी, जिससे गरीबों को फायदा पहुंचा. साथ ही 2015 में क्क्ा-छ्क्क्ष योजना लॉन्च हुई, जो आधार से सब्सिडी सीधे बैंक खाते में डालती है. इससे 1.5 लाख करोड़ की बचत हुई. बाकी गैस कनेक्शन जोड़ने में उज्ज्वला स्कीम की भी काफी भूमिका रही है.

भारत ने 2025 में हासिल किया नवीकरणीय ऊर्जा का बड़ा मुकाम

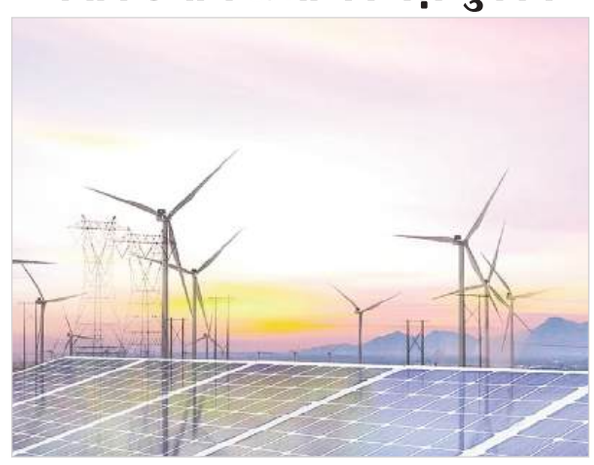

- कुल बिजली क्षमता का आधा हिस्सा अब गैर-जीवाश्म स्त्रोतों से

नई दिल्ली । 2025 में भारत ने पेरिस समझौते के तहत तय 2030 के लक्ष्य से पांच साल पहले ही अपनी कुल बिजली उत्पादन क्षमता का 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन स्त्रोतों से प्राप्त कर लिया। देश की कुल स्थापित क्षमता अब लगभग 510 गीगावॉट है, जिसमें 247 गीगावॉट जीवाश्म ईंधन और 262 गीगावॉट गैर-जीवाश्म स्त्रोतों से है। गैर-जीवाश्म स्त्रोतों में से 254 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा से आता है।

2025 में लगभग 50 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा जोड़ी गई, जिसमें जनवरी से नवंबर के बीच 45 गीगावॉट शामिल हैं। इस दौरान 35 गीगावॉट सौर ऊर्जा का योगदान रहा। इस विस्तार के लिए लगभग दो लाख करोड़ रुपये का निवेश किया गया। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना और पीएम कुसुम योजना ने नवीकरणीय परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने में मदद की। उद्योग के अनुसार प्रति मेगावॉट निवेश आवश्यकता लगभग चार करोड़ रुपये है। भूमि अधिग्रहण, मार्ग अधिकार और बिजली खरीद समझौतों में देरी जैसी चुनौतियां नई परियोजनाओं को सीमित कर रही हैं। हालांकि, सरकार को उम्मीद है कि 2026 में भी इसी रफ्तार से क्षमता जोड़ी जाएगी। नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहो कि भविष्य उज्ज्वल है और ऊर्जा नवीकरणीय स्त्रोतों से संचालित होगी।

सहारा इंडिया पर बकाया वेतन का आरोप, लखनऊ में एफआईआर दर्ज

- काम किया पर नहीं मिली सैलरी, परेशान कर्मचारी

लखनऊ (ईएमएस)। सहारा इंडिया की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। कंपनी के डिप्टी चीफ मैनेजर ओपी श्रीवास्तव और सहारा परिवार के खिलाफ अरिंदम बनर्जी और उनकी पत्नी शिवानी ने बकाया वेतन न मिलने को लेकर एफआईआर दर्ज कराई है। मामला पहले कोलकाता के टेक्नोसिटी थाने में दर्ज हुआ था, लेकिन बाद में इसे लखनऊ ट्रांसफर कर दिया गया। अब इसकी जांच गोमती नगर पुलिस करेगी। एफआईआर के अनुसार, अरिंदम और शिवानी 1 सितंबर 2016 से कंपनी के चेयरमैन ऑफिस में तैनात थे। अरिंदम का वेतन शुरू में 4.40 लाख रुपए मासिक था, जिसे 5.46 लाख रुपए किया गया। शिवानी का वेतन 81 हजार रुपए था। चार साल नौकरी के बाद दोनों ने छह महीने का वैतनिक अवकाश लिया, लेकिन इस दौरान भी ऑनलाइन कंपनी से जुड़े रहे। जुलाई 2022 में बकाया वेतन की मांग की गई और जून 2023 में कुछ राशि मिली। हालांकि, कुल बकाया वेतन और ब्याज मिलाकर 2.03 करोड़ रुपए होने के बावजूद

सहारा इंडिया ने इसे अब तक पूरा भुगतान नहीं किया। कंपनी पहले से कई विवादों और कानूनी झंझटों में घिरी हुई है। यह मामला सहारा इंडिया के लिए नई कानूनी परेशानियों का कारण बन सकता है। अब लखनऊ पुलिस मामले की विवेचना करेगी और यह देखना होगा कि पीड़ितों को उनका बकाया वेतन कब मिलेगा।

टाइटन के घड़ी व्यवसाय की बिक्री एक अरब डॉलर के पार होने की उम्मीद

नई दिल्ली । टाइटन, प्रमुख घड़ी और आभूषण निर्माता, अपने घड़ी व्यवसाय को लेकर आशावादी है। कंपनी ने अगले दो वर्षों में बिक्री को 1 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए वह प्रीमियम उत्पादों को बढ़ावा देने, खुदरा नेटवर्क का विस्तार करने और अंतरराष्ट्रीय कारोबार को बढ़ाने की रणनीति अपना रही है। कंपनी के एक अ धिकारी के मुता बिक पिछले 4-5 वर्षों में टाइटन ने लगभग 16 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। भविष्य की वृद्धि के लिए कंपनी प्रीमियम और लक्ज़री खंड पर ध्यान केंद्रित कर रही है। टाइटन भारत में हेलिओस और हेलिओस लक्स स्टोर्स के माध्यम से इस खंड का विस्तार कर रहा है।मार्कोस ने कहा कि भारत में प्रीमियम और लक्ज़री घड़ियों की मांग तेज़ी से बढ़ रही है, जिसमें 30 फीसदी से अधिक की वृद्धि की संभावना है। मजबूत आर्थिक स्थिति, बढ़ती व्यक्तिगत आय और बड़ी युवा आबादी इस बाजार को और भी आकर्षक बना रहे हैं।

26 दिसंबर से बढ़ेगा रेल का किराया

- छोटी दूरी और दैनिक यात्रियों पर कोई असर नहीं होगा

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे ने 26 दिसंबर से नए किराया नियम लागू करने की घोषणा की है। इसे रेलवे ने किराया वृद्धि नहीं बल्कि 'किराये का युक्तिकरण' कहा है। छोटी दूरी और दैनिक यात्रियों पर कोई असर नहीं होगा। केवल लंबी दूरी की यात्राओं के लिए किराया बढ़ेगा। साधारण श्रेणी में 215 किलोमीटर से अधिक यात्रा करने वाले यात्रियों को 1 पैसा प्रति किलोमीटर, मेल और एक्सप्रेस नॉन-एसी में 2 पैसे प्रति किलोमीटर और एसी कोच यात्रियों को भी 2 पैसे प्रति किलोमीटर की दर से अतिरिक्त चुकाना होगा। जैसे यदि कोई यात्री नॉन-एसी कोच में 500 किलोमीटर यात्रा करता है, तो उसकी टिकट कीमत में लगभग 10 रुपये की बढ़ोतरी होगी। वहीं उपनगरीय ट्रेन और मंथली सीजन टिकट धारक पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। रेलवे का खर्च लगातार बढ़ रहा है। पिछले दशक में नेटवर्क और ऑपरेशन्स विस्तार के कारण कर्मचारियों का खर्च 1,15,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जबकि पेंशन का बोझ 60,000 करोड़ रुपये है। 2024-25 में संचालन लागत 2,63,000 करोड़ रुपये पार कर गई है। भारी खर्च और बेहतर सुरक्षा व्यवस्था के लिए रेलवे ने यात्री किराए में मामूली वृद्धि की है और कार्गो लोडिंग बढ़ाने पर भी जोर दिया है।

रियाल की बढ़ती कीमतों से हज यात्रा हुई महंगी

- 2020 से 2025 तक प्रति यात्री खर्च लगभग 55,000 रुपये बढ़ गया

नई दिल्ली । हज यात्रा पर जाने वाले भारतीय नागरिक अब और अधिक खर्च उठाने के लिए तैयार रहना पड़ रहा है। सऊदी रियाल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी के कारण हज यात्रा 2020 से 2025 तक लगभग 19 प्रतिशत महंगी हो गई है। कमजोर भारतीय रुपए के चलते रियाल के दाम बढ़ते जा रहे हैं, जिससे देश के डेढ़ लाख यात्रियों और प्रदेश के लगभग 6,500 चयनित लोगों पर इसका सीधा असर पड़ा है। साल 2025 में रियाल की कीमत 23.88 रुपए प्रति रियाल तक पहुंच गई है, जो पिछले पांच साल में लगभग 4 रुपए की बढ़ोतरी है। इसी वजह से प्रत्येक हज यात्री का खर्च लगभग 55,000 रुपए बढ़ गया है। यह बढ़ोतरी यात्रा की कुल लागत पर सीधे असर डाल रही है। पिछले वर्षों की तुलना करें तो साल 2020 में हज यात्रा का खर्च 2.70 लाख रुपये था, जब रियाल का मूल्य 19.60 रुपये था। कोविड-19 महामारी के कारण 2021 में हज यात्रा स्थगित कर दी गई। 2022 में हज यात्रा का खर्च बढ़कर 3.75 लाख रुपये और रियाल की कीमत 21.90 रुपये हो गई। 2023 और 2024 में क्रमशः खर्च 3.50 लाख और 3.20 लाख रुपये, और रियाल की कीमत 22.15 और 22.65 रुपये रही। इस बार 2025 की हज यात्रा में यात्रियों को और अधिक राशि खर्च करनी पड़ेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव और रुपए की कमजोर स्थिति से हज यात्रा के खर्च पर असर पड़ता रहेगा। वहीं मध्यप्रदेश से चयनित 6,500 लोगों के लिए यह बढ़ी हुई लागत चुनौती बन सकती है। इस प्रकार रियाल के बढ़ते दाम और रुपए की गिरती कीमत हज यात्रा को महंगा बनाकर सामान्य भारतीय परिवारों पर वित्तीय दबाव डाल रहे हैं।

SIP vs EPF vs NPS: क्या है निवेश का सबसे सही तरीका? अपनी उम्र के हिसाब से ऐसे बढ़ाएं पैसा

एजेंसी

नई दिल्ली। पैसा कमाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है उसे सही जगह लगाना. हर उम्र की अपनी जरूरतें और जिम्मेदारियां होती हैं, इसलिए निवेश की स्ट्रेटेजी भी बदलनी चाहिए. SIP, EPF और NPS तीनों के अपने फायदे हैं. अगर इन्हें सही संतुलन के साथ इस्तेमाल किया जाए, तो भविष्य की फाइनेंशियल टेंशन काफी हद तक कम हो सकती है.

अगर आप अपने करियर की शुरुआत में हैं, तो यही वह समय है जब आप ज्यादा रिस्क ले सकते हैं. इस उम्र में इक्विटी स्ट्ढ्ढक्क सबसे बेहतर ऑप्शन मानी जाती है क्योंकि लंबी अवधि में कंपाउंडिंग का फायदा ज्यादा मिलता है. EPF को सेफ्टी नेट की तरह चलने दें. NPS अभी जरूरी नहीं, लेकिन जैसे-जैसे इनकम बढ़े, उसे धीरे-धीरे जोड़ा जा सकता है.

30s में टैक्स और स्टेबिलिटी दोनों जरूरी

30 की उम्र आते-आते जिम्मेदारियां बढ़ने लगती हैं जैसे घर, परिवार और भविष्य की प्लानिंग. इस स्टेज पर SIP को जारी रखना बेहद जरूरी है, लेकिन साथ ही NPS जोड़ना समझदारी होती है. NPS न सिर्फ रिटायरमेंट के लिए फायदेमंद है, बल्कि अतिरिक्त टैक्स बचत भी देता है. EPF इस दौरान आपके पोर्टफोलियो का मजबूत और सुरक्षित हिस्सा बना रहता है.

40s में रिस्क कम, सुरक्षा ज्यादा

40 की उम्र तक आप अच्छी खासी पूंजी बना चुके होते हैं. अब जरूरत होती है उसे सुरक्षित रखने की, इस स्टेज पर इक्विटी SIP में बहुत ज्यादा आक्रामक निवेश करने के बजाय

थोड़ा संतुलन बनाना जरूरी है. NPS और डेट ऑप्शंस में हिस्सेदारी बढ़ाने से मार्केट के उतार-चढ़ाव से बचाव होता है. इस उम्र में लक्ष्य होता है कम रिस्क के साथ स्थिर ग्रोथ.

50s में इनकम की सुरक्षा सबसे अहम

50 की उम्र में पहुंचते-पहुंचते रिटायरमेंट नजदीक आ जाता है. अब ग्रोथ से ज्यादा जरूरी होती है स्टेबिलिटी और रेगुलर इनकम की. EPF और ह्रक्क्र को कंजर्वेटिव मोड में रखना सही रहता है. इस दौरान ऐसे विकल्प चुनें जो पूंजी को सुरक्षित रखते हुए नियमित आय दे सकें, ताकि रिटायरमेंट के बाद आर्थिक चिंता न रहे.

इमरजेंसी फंड को कभी नजरअंदाज न करें

किसी भी निवेश से पहले एक मजबूत इमरजेंसी फंड बनाना बेहद जरूरी है. कम से कम 6 से 9 महीने के खर्च के बराबर रकम हमेशा आसानी से निकाली जा सकने वाली जगह पर रखें. इससे अचानक नौकरी जाने या मेडिकल इमरजेंसी में निवेश तोड़ने की जरूरत नहीं पड़ेगी.

सही बैलेंस ही असली स्ट्रेटेजी है

SIP से ग्रोथ मिलती है, EPF से सेफ्टी, और NPS से टैक्स बचत के साथ रिटायरमेंट की सुरक्षा, इन तीनों को मिलाकर ही एक मजबूत फाइनेंशियल फ्यूचर बनाया जा सकता है. इसके साथ ही साल में एक बार निवेश का रिव्यू करें और जरूरत के हिसाब से छोटे बदलाव करते रहें.

सर्ट-इन ने एप्पल उपकरणों में सुरक्षा कमजोरियों की चेतावनी दी

- आईओएस और आईपे डिओस में फंसी खतरनाक बग, डेटा और प्राइवेसी जोखिम में

नई दिल्ली । भारतीय कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (सर्ट-इन) ने आईफोन, आईपेड, मेक और अन्य एप्पल उपकरणों में कई सुरक्षा कमजोरियों के बारे में चेतावनी दी है। इन कमजोरियों के कारण किसी हमलावर को मनमाना कोड चलाने, अधिक अधिकार हासिल करने, संवेदनशील डेटा चुराने और सिस्टम में बाधा डालने का खतरा हो सकता है। आईफोन के आईओएस 26.2 और पुराने वर्ज़न, आईपेड के आईपे डियोस 18.7.3 से पहले के संस्करण, मेक के मेकओए टेहो और सोनोमा के कुछ संस्करण प्रभावित हो सकते हैं। इन कमजोरियों से डेटा हेरफेर, स्पूफिंग, मेमोरी खराबी और सुरक्षा प्रतिबंधों को बायपास करने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। सटइन ने एप्पल से स्पष्टीकरण मांगा, लेकिन जवाब नहीं मिला। एप्पल ने अप्रैल और दिसंबर में वैश्विक स्तर पर नोटिस जारी किए, जिसमें स्पाइवेयर और रिमोट एक्सेस हमलों से सावधान रहने की चेतावनी दी गई। उपयोगकर्ताओं को तुरंत अपने उपकरणों को नवीनतम अपडेट में अपडेट करने की सलाह दी गई है।

घरेलू थोक बाजार में चावल और गेहूं में तेजी, चीनी और दालें सस्ती

नई दिल्ली ।

घरेलू थोक जिंस बाजार में बीते सप्ताह चावल की कीमतों में मजबूती देखी गई। सप्ताह के दौरान चावल का औसत भाव 71 रुपये बढ़कर 3,827 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। विशेषज्ञों के अनुसार ग्राहकी में वृद्धि और मांग की मजबूती के कारण चावल के भाव में यह उछाल आया है। गेहूं की कीमतों में भी बढ़ोतरी रही। गेहूं का औसत भाव 10 रुपये की वृद्धि के साथ 2,858.33 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। गेहूं की मांग में थोड़ा इज़ाफा और भंडारण की रणनीतियों के कारण कीमतों में यह मामूली बढ़ोतरी हुई। आटे की कीमतें इस सप्ताह लगभग स्थिर रहीं। आटे का भाव 3,305.69 रुपये प्रति क्विंटल पर दर्ज किया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि आटे की सप्लाई पर्याप्त होने के कारण इसमें कोई खास उतार-चढ़ाव नहीं हुआ। बीते सप्ताह चीनी और दालों के बाजार में गिरावट रही। इसकी मुख्य वजह उत्पादन में वृद्धि और मांग की तुलना में उपलब्धता अधिक होना बताया जा रहा है। दालों और चीनी की कीमतें

ग्राहकों के लिए कुछ राहत देने वाली रही हैं।

खाद्य तेलों के भाव में इस सप्ताह अस्थिरता देखी गई। कुछ तेलों में मामूली बढ़ोतरी रही, तो कुछ में कीमतें घटीं। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय कीमतों और आयात पर निर्भरता के कारण खाद्य तेलों में अस्थिरता बनी हुई है।

एसबीआई का आवास ऋण पोर्टफोलियो 10 लाख करोड़ के करीब

बैंक की इस समय आवास ऋण बही 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक

नई दिल्ली । देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का आवास ऋण पोर्टफोलियो अगले वित्त वर्ष में 10 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर सकता है। बैंक की इस समय आवास ऋण बही 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक है, जो इसकी सबसे बड़ी व्यावसायिक इकाई है और कुल परिसंपत्तियों का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बनाती है। एसबीआई के चेयरमैन सीएस सेट्टी के अनुसार, बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 में आवास ऋण को 8.31 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर नौ लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुंचाया। इस दौरान सालाना आधार पर वृद्धि दर 14.4 प्रतिशत रही। बैंक अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 10 लाख करोड़ रुपये के लक्ष्य की दिशा में बढ़ रहा है। एसबीआई ने अपने आवास ऋण पोर्टफोलियो को मार्च 2011 में केवल 1 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर नवंबर 2025 तक 9 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाया। इस दौरान बैंक ने लगातार स्थिर और संरचित तरीके से ऋण वितरण किया। बैंक की सक्रिय निगरानी और प्रबंधन के कारण आवास ऋण खंड में नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स की दर 1 प्रतिशत से कम बनी हुई है, जिससे यह ऋण सुरक्षित और भरोसेमंद बना हुआ है। एसबीआई का यह मजबूत प्रदर्शन बैंकिंग क्षेत्र में स्थिरता और आवास वित्त पोषण में तेजी को दर्शाता है।

ट्रंप प्रशासन की जांच के बीच गूगल कर्मचारियों को मिली यात्रा की चेतावनी

- एच-1बी वीजा धारकों पर सख्ती, दूतावासों में अपॉइंटमेंट में 12 महीने तक की देरी

नई दिल्ली । गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट ने अमेरिका में काम कर रहे अपने कुछ कर्मचारियों को फिलहाल अंतरराष्ट्रीय यात्रा न करने की सलाह दी है। यह चेतावनी विशेष रूप से उन कर्मचारियों के लिए जारी की गई है जो अमेरिकी वीजा, खासकर एच-1बी पर काम कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कंपनी की ओर से भेजे गए एक आंतरिक ईमेल में कहा गया है कि अमेरिका के कई दूतावासों और काउंसलेट में वीजा अपॉइंटमेंट मिलने में भारी देरी हो रही है। ईमेल में बताया गया है कि यदि कोई कर्मचारी विदेश यात्रा करता है और उसे अमेरिका लौटने के लिए वीजा स्टैंप की आवश्यकता पड़ती है, तो वह लंबे समय तक अमेरिका के बाहर फँस सकता है। कुछ देशों में वीजा प्रक्रिया पूरी होने में 12 महीने तक का समय लग रहा है, जिससे कर्मचारियों और कंपनी दोनों को परेशानी हो सकती है। इस बीच अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी वीजा आवेदकों की जांच प्रक्रिया को और सख्त कर दिया है। नई प्रक्रिया में सोशल मीडिया अकाउंट्स की जांच भी शामिल की गई है। एच-1बी वीजा का उपयोग बड़ी टेक कंपनियां, विशेष रूप से भारत और चीन से कुशल पेशेवरों की नियुक्ति के लिए करती हैं।

बांग्लादेश में उस्मान हादी के बाद अब सिकंदर की हत्या

शेख हसीना के विरोधी नाहिद की पार्टी का था मेंबर

बांग्लादेश में उस्मान हादी के बाद मोतलेब सिंकदर की हत्या कर दी गई है. सिकंदर शेख हसीना के विरोधी नाहिद इस्लाम की पार्टी एनसीपी से जुड़ा था. उसके पास एनसीपी के वर्कर्स फोर्स और खुलना मंडल का प्रभार था. सिकंदर की हत्या ने बांग्लादेश का सियासी पारा बढ़ा दिया है.

एजेंसी

बांग्लादेश। बांग्लादेश में चुनाव की घोषणा के बाद राजनीतिक हत्याओं का दौर शुरू हो गया है. इकबाल मंच के उस्मान हादी के बाद अब अपराधियों ने खुलना में मोतलेब सिकंदर की गोली मारकर हत्या कर दी है. सिकंदर नेशनल सिटीजन पार्टी के कार्यकर्ता बल के प्रमुख पद पर काबिज था. यह पार्टी छात्र नेता नाहिद इस्लाम की है. नाहिद बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट का चेहरा रहा है.

स्थानीय मीडिया के मुताबिक सोमवार (22 दिसंबर) को खुलना में चुनाव प्रचार के दौरान सिकंदर को दिनदहाड़े गोली मार दी गई, जिसके बाद सिकंदर को पास के अस्पताल में ले जाया गया. स्थानीय पुलिस थाना सोनडांगा के प्रभारी रफीकुल इस्लाम ने गोली मारे जाने की घटना की पुष्टि की है. हालांकि, पुलिस ने अब आधिकारिक तौर पर सिकंदर के मारे जाने की पुष्टि नहीं की है.

सिर और गर्दन पर गोली मारी

जागो 24 न्यूज के मुताबिक सिकंदर के सिर और गर्दन पर गोली मारी गई है. घटना के बाद से हमलावर फरार है. पुलिस ने हमलावर को पकड़ने के लिए नाकेबंदी की है. कहा जा रहा है कि सिकंदर की हत्या उस्मान हादी स्टाइल में की गई है. उस्मान को भी सिर में ही गोली मारी गई थी.

सिकंदर के गोली मारे जाने पर एनसीपी ने प्रतिक्रिया दी है. एनसीपी नेता महमूदा मितू ने घटना को लेकर सोशल मीडिया पर लिखा है- एनसीपी के खुलना मंडल प्रमुख और एनसीपी कार्यकर्ता शक्ति के केंद्रीय आयोजक मोतलेब सिकंदर को कुछ देर पहले गोली मार दी गई. उन्हें गंभीर हालत में खुलना मेडिकल कॉलेज ले जाया गया है. एनसीपी को शेख हसीना का धुर-विरोधी पार्टी माना जाता है. नाहिद खुले तौर पर शेख हसीना को आतंकी और देशद्रोही करार दे चुके हैं. नाहिद को चीफ एडवाइजर यूनुस का करीबी माना जाता है. यूनुस की अंतरिम सरकार में नाहिद सलाहकार पद पर भी रह चुके हैं.

कौन था मोतलेब सिकंदर?

37 साल के मोतलेब सिकंदर खुलना का रहने वाला था. 2024 के जुलाई विद्रोह में नाहिद इस्लाम के साथ सिकंदर ने बड़ी भूमिका निभाई थी. सिकंदर सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव था. 2025 में जब नाहिद इस्लाम ने पार्टी का गठन किया तो सिकंदर को खुलना का प्रभार सौंपा गया. सिकंदर पार्टी सेंट्रल कमेटी का मेंबर भी था. उसके पास कार्यकर्ता बल के प्रमुख का भी पद था. जमीन पर एनसीपी में सिकंदर को काफी मजबूत माना जा रहा था.

न्यू ईयर का जश्न बर्बाद करने की साजिश, ISIS तैयार कर रहा आतंकी हमले का प्लान

इस्लामिक स्टेट के आतंकी न्यू ईयर पर हमले का प्लान तैयार कर रहे हैं. इसके लिए सऊदी, इंडोनेशिया और फिलिपींस से कोडवर्ड के जरिए संदेश भेजा गया है. साल 2025 में दुनियाभर में इस्लामिक स्टेट का फिर से खतरा बढ़ गया है. इस संगठन के पास वर्तमान में 10 हजार लड़ाके हैं.

एजेंसी

सीरिया । दुनियाभर में इस्लामिक स्टेट (ISIS) का दबदबा फिर से बढ़ता जा रहा है. ऑस्ट्रेलिया के सिडनी और सीरिया में कोहराम मचाने के बाद इस्लामिक स्टेट के आतंकियों की नजर क्रिसमस और न्यू ईयर की छुट्टियों पर है. छुट्टी खराब करने के लिए इस्लामिक स्टेट के आतंकी मिडिल ईस्ट और यूरोप में हमला का प्लान बना रहे हैं. अमेरिकी पत्रिका न्यूजवीक ने आतंकियों के कोडवर्ड मैसेज के जरिए इसका खुलासा किया है.

न्यूजवीक के मुताबिक न्यू ईयर और क्रिसमस की छुट्टियां खराब करने के लिए इस्लामिक स्टेट के आतंकी एक्टिव हो गए हैं. इन आतंकियों की कोशिश उन देशों में हमला करने की है, जो गैर मुस्लिम देश है. इसके लिए इस्लामिक स्टेट के लड़ाके इंडोनेशिया, फिलिपींस और सऊदी में प्लान कर रहे हैं.

इस्लामिक स्टेट के पास कितने आतंकी?

अबु बकर अल बगदादी की हत्या के बाद इस्लामिक स्टेट की स्थिति काफी कमजोर हो गई थी, लेकिन अब नए सिरे से इस संगठन ने खुद को खड़ा कर लिया है. इस्लामिक स्टेट के पास वर्तमान में 10 हजार लड़ाके हैं. इनमें सबसे ज्यादा सीरिया में 2500, अफ्रीका में 1200 और पाकिस्तान में 300 आतंकी हैं.

इसके अलावा कई देशों में इसके आतंकी छिटपुट रूप से सक्रिय हैं. हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में इस्लामिक स्टेट से प्रभावित आतंकियो ने हमला किया, जिसमें 16 लोग मारे गए.

किन देशों को सबसे ज्यादा खतरा है?

2025 में इस्लामिक स्टेट के आतंकियों ने अधिकांश हमले ईसाई और यहूदी समुदाय से जुड़े ठिकानों पर ही किया. ऐसे में कहा जा रहा है कि मिडिल ईस्ट और यूरोप के चर्च या यहूदी ठिकानों पर आईएसआईएस के आतंकियों की नजर हो सकती है. इस साल 3 ऐसे मौके आए, जब इस्लामिक स्टेट के आतंकियों ने चर्च पर अटैक किया. इन हमलों में 100 से ज्यादा लोग मारे गए.

ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर जो अटैक हुआ, वहां भी यहूदी समुदाय के लोग त्योहार मनाने के लिए इकट्ठा हुए थे. हाल ही में जर्मनी और पोलैंड में क्रिसमस बाजारों पर एक बड़े आतंकी हमले की साजिशें नाकाम की गईं हैं.

आतंकी ऑनलाइन ज्यादा एक्टिव

इस्लामिक स्टेट ने अपने स्ट्रक्चर में अब बड़ा बदलाव किया है. इसके आतंकी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर ज्यादा सक्रिय हैं. ISIS की पत्रिका अल-नबा के मुताबिक अब सिर्फ आतंकियों को ट्रेंड किया जा रहा है. उसे विचारधारा के बारे में बताया जा रहा है. उसे न तो हमले के बारे में जानकारी दी जा रही है और न ही उसे प्लान. आतंकी ट्रेंड होने के बाद खुद एआई की मदद से हमले का प्लान तैयार कर ले रहे हैं.

तनाव के बीच बांग्लादेश पर भारत का बड़ा एक्शन, असम सीमा से वापस भेजे गए 19 घुसपैठिए

एजेंसी

बांग्लादेश। बांग्लादेश में इस समय हंगामा मचा हुआ है. देश में जहां एक तरफ छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद से ही देश में आशांति है. हर तरफ लोग सड़कों पर उतर कर नारेबाजी कर रहे हैं. हादी के हत्यारे को पकड़ने की मांग कर रहे हैं. वहीं, इन सबके बीच दर्दनाक सांप्रदायिक हिंसा का मामला भी सामने आया है. देश में ईशनिंदा के आरोप के चलते हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई. साथ ही इसी के बाद इतना जुल्म किया गया कि दीपू के शव को पेड़ से बांधकर आग के हवाले कर दिया.

भारत ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार की निंदा की है. इसी बीच अब देश ने बांग्लादेश के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है. असम पुलिस और बीएसएफ ने रविवार को संयुक्त अभियान चलाकर 19 अवैध घुसपैठियों को पकड़ा. इसी के बाद इन सभी घुसपैठियों को इनके देश बांग्लादेश वापस भेज दिया गया. इन लोगों को नागांव और कार्बी आंगलोंग जिलों से पकड़ा गया था. असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इन घुसपैठिओं की तस्वीर भी सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर शेयर की.

सीएम सरमा ने एक्शन को लेकर क्या कहा?

सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने इस कार्रवाई को घुसपैठियों के लिए पूरा कयामत का पल बताया. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इन घुसपैठिओं को वापस भेजे जाने की जानकारी देते हुए लिखा कि ये लोग भारत से गायब हो गए और अपने नर्क में फिर से पहुंच गए.

उन्होंने आगे लिखा, संदेश बिल्कुल साफ है – असम में अवैध रूप से रहना मतलब अंत निश्चित है.

नेपाल : राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामिछाने रिहा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के सभापति रवि लामिछाने शुक्रवार शाम रुपनदेही जिला अदालत से जमानत पर रिहा हो गए। तुलसीपुर हाईकोर्ट के आदेश पर कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के लिए वह शाम 5:37 बजे अदालत पहुंचे। अदालत के सूचना अधिकारी पदम अर्याल ने बताया, बुटवल पीठ के आदेशानुसार कुछ शर्तों और बैंक जमानत के कागजात जमा करने के बाद उन्हें रिहा किया गया। लामिछाने बुटवल स्थित सुप्रीम सहकारी संस्था से जुड़े ठगी और संगठित अपराध के मामले में विचाराधीन कैदी के रूप में जेल में बंद थे। उन्हें 2.74 करोड़ रुपये की जमानत राशि जमा करने के बाद रिहाई मिली।

भ्रष्टाचार मामले में पूर्व पीएम इमरान खान और पत्नी बुशरा बीबी को 17-17 साल की जेल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की एक अदालत ने भ्रष्टाचार के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को दोषी ठहराते हुए दोनों को 17-17 साल की सजा सुनाई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फैसला लंबे समय से चल रहे केस में सुनाया गया है।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया की हालत अब स्थिर

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की चेयरपर्सन खालिदा जिया की स्वास्थ्य स्थिति अब अधिक स्थिर है। उनकी निजी चिकित्सक एजेडएम जाहिद हुसैन ने शुक्रवार को कहा कि उनकी हालत में अब कोई गिरावट नहीं आई है। खालिदा जिया 23 नवंबर से ढाका के एवरकेयर हॉस्पिटल में विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उपचाराधीन हैं और बाद में उन्हें कोरोनरी केयर यूनिट में शिफ्ट किया गया था। 11 दिसंबर को उन्हें फेफड़ों और अन्य महत्वपूर्ण अंगों को आराम देने के लिए वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था।

डॉक्टर हुसैन ने कहा कि पिछले महीने में उनकी शारीरिक स्थिति काफी स्थिर रही है। शुक्रवार को उनका एक छोटा चिकित्सीय उपचार भी सफलतापूर्वक

किया गया, जिसे उन्होंने आसानी से स्वीकार कर लिया। उनके बेटे और क्व्हक्क के कार्यवाहक अध्यक्ष तरीक रहमान 25 दिसंबर को लंदन से लौटेंगे, जिससे उनके 17 वर्षों के स्वदेश से निर्वासन का अंत होगा।

पाकिस्तान में फिर आतंकी हमला, सुसाइड बॉम्बर ने मिलिट्री पोस्ट को उड़ाया; 4 सैनिक मरे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी इलाके उत्तर वजीरिस्तान में शुक्रवार को एक बड़ा आतंकी हमला हुआ। सुसाइड कार बॉम्बर और तीन बंदूकधारियों ने एक गांव के पास स्थित सैन्य चौकी पर हमला किया, जिसके बाद घंटों चली गोलीबारी में चार पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। इस हमले में कम से कम 15 नागरिक घायल हो गए, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। पाकिस्तानी सेना और स्थानीय पुलिस के अनुसार, यह इलाका खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आता है, जो अफगानिस्तान की सीमा से सटा हुआ है और अतीत में पाकिस्तानी तालिबान तथा अन्य उग्रवादी संगठनों का गढ़ रहा है। पुलिस ने बताया कि धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास के कई मकान ढह गए, जिससे स्थानीय नागरिकों को गंभीर चोटें आईं। सेना के बयान में कहा गया कि सभी हमलावरों को सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ के दौरान मार गिराया। सेना के मुताबिक, हमलावरों ने पहले चौकी की सुरक्षा घेराबंदी तोड़ने की कोशिश की, लेकिन असफल रहने पर विस्फोटकों से लदी एक गाड़ी को चौकी की बाहरी दीवार से टकरा दिया। इस विस्फोट से पास के घरों और एक मस्जिद को भी नुकसान पहुंचा। हालांकि किसी भी संगठन ने तुरंत हमले की जिम्मेदारी नहीं ली, लेकिन पाकिस्तानी सेना ने इस हमले के लिए तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को जिम्मेदार ठहराया है। सेना का दावा है कि इस हमले की योजना अफगान सीमा के उस पार बनाई गई और वहीं से इसे निर्देशित किया गया। इस पर अफगानिस्तान की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। अफगान तालिबान लंबे समय से यह कहते रहे हैं कि वे किसी भी देश के खिलाफ अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं होने देते, जिसमें पाकिस्तान भी शामिल है। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि पाकिस्तान को उम्मीद है कि अफगानिस्तान के तालिबान शासक अपने क्षेत्र से आतंकियों को पाकिस्तान पर हमले करने से रोकेंगे। साथ ही यह भी कहा कि पाकिस्तान को आतंकियों और उनके मददगारों के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित है। हमले के कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तान का विदेश मंत्रालय सक्रिय हुआ। मंत्रालय ने इस्लामाबाद में अफगान तालिबान के उप-मिशन प्रमुख को तलब कर औपचारिक विरोध दर्ज कराया। मंत्रालय के बयान में कहा गया कि पाकिस्तान ने अफगान भूमि से संचालित आतंकवादी हमलों के दोषियों और मददगारों के खिलाफ पूर्ण जांच और निर्णायक कार्रवाई की मांग की है। बयान में यह भी कहा गया कि अफगान तालिबान से यह अपेक्षा की गई है कि वह अपने क्षेत्र में सक्रिय सभी आतंकवादी समूहों के खिलाफ ठोस, तत्काल और सत्यापन योग्य कदम उठाए तथा पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवाद के लिए अफगान जमीन के इस्तेमाल को पूरी तरह रोके। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव हाल के महीनों में बढ़ा है। अक्टूबर में सीमा पर झड़पें हुई थीं, जब काबुल में 9 अक्टूबर को हुए विस्फोटों के लिए अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया था। बाद में कतर की मध्यस्थता से युद्धविराम तो हुआ, लेकिन नवंबर में तुर्की में हुई बातचीत में दोनों देश किसी ठोस समझौते पर नहीं पहुंच सके।

ताइवान में भीड़ पर चाकू से हमला, 4 लोगों की मौत कई घायल

ताइपे , एजेंसी। ताइवान की राजधानी ताइपे में शुक्रवार को एक युवक ने भीड़ भरे इलाके में लोगों पर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में चार लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। हमलावर ने लोगों में डर फैलाने के लिए स्मोक ग्रेनेड भी फेंके। यह हमला ताइपे मेन स्टेशन से शुरू हुआ, जो शहर का सबसे व्यस्त रेलवे और मेट्रो स्टेशन है। शाम के समय जब वहां बहुत भीड़ थी, तभी युवक ने स्टेशन के अंदर स्मोक बम फेंका और फिर पास के झोंगशान इलाके की ओर भाग गया। वहां उसने सड़क और एक शॉपिंग मॉल में लोगों पर चाकू से हमला किया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हर तरफ धुआं और अफरा-तफरी मच गई थी। लोग जान बचाकर इधर-उधर भाग रहे थे। पास की दुकानों और रेस्टोरेंट में लोग छिप गए। एक स्थानीय निवासी ने बताया कि माहौल बहुत डरावना था और

सांस लेना भी मुश्किल हो रहा था। पुलिस ने हमलावर का पीछा किया। इसी दौरान वह एक इमारत से गिर गया और उसकी भी मौत हो गई। ताइपे के मेयर ने बताया कि मरने वालों में से एक व्यक्ति ने स्टेशन के अंदर हमलावर को रोकने की कोशिश की थी। पुलिस के मुताबिक हमलावर 27 साल का था और ताओयुआन इलाके का रहने वाला था। वह पहले वायुसेना में काम कर चुका था, लेकिन 2022 में उसे नौकरी से हटा दिया गया था। अधिकारियों ने कहा कि उसके खिलाफ पहले से कुछ मामले दर्ज थे। हमले के पीछे उसका मकसद अभी साफ नहीं हो पाया है।

एक तरफ मुनीर को अवॉर्ड दूसरी तरफ सऊदी ने 2 पाकिस्तानियों को क्यों दी फांसी?

पाकिस्तान. पाकिस्तान इस समय मुस्लिम देश सऊदी के साथ दोस्ती बढ़ाने में लगा हुआ है. हाल ही में सऊदी के रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान ने रविवार को रियाद में पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर को किंग अब्दुलअजीज मेडल (फर्स्ट क्लास) दिया. स्क्र ने बताया कि यह पुरस्कार फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को किंग सलमान के शाही आदेश के तहत दिया गया. यह पदक सऊदीपाकिस्तानी दोस्ती को मजबूत करने, संयुक्त सहयोग को आगे बढ़ाने और दोनों देशों के बीच संबंधों के विकास में फील्ड मार्शल मुनीर की कोशिशों के सम्मान में दिया गया है. जहां एक तरफ सऊदी ने आसिम मुनीर को अवॉर्ड दिया गया है. वहीं, दूसरी तरफ देश में 2 पाकिस्तानियों को फांसी दी गई है. सऊदी अरब में इस साल मौत की सजा पाने वालों की संख्या पिछले साल की तुलना में बढ़ गई है. आंकड़ों के अनुसार, इस साल अब तक कम से कम 347 लोगों को मौत की सजा सुनाई जा चुकी है, जबकि पिछले साल यह संख्या 345 थी. इसमें 2 पाकिस्तानियों को भी सजा-ए-मौत दी गई है.

2 पाकिस्तानियों को क्यों दी गई फांसी

ये आंकड़े ब्रिटेन स्थित संगठन रीप्राइव ने जारी किए हैं, जो सऊदी अरब में मृत्युदंड पर नजर रखता है. रीप्राइव का कहना है कि 2025 सऊदी अरब में फांसी के मामलों के लिहाज से अब तक का सबसे खूनी साल रहा है.

जानकारी के मुताबिक, देश में 2 पाकिस्तानियों को भी फांसी दी गई है. इन पाकिस्तानी नागरिकों पर नशीले पदार्थ को लेकर एक्शन लिया गया है. इन दोनों लोगों को सऊदी अरब की अदालतों ने नशीले पदार्थ अपने पास रखने (ड्रग्स रखने) के मामलों में दोषी ठहराया था.

तुर्किए की संसद में चले लात-घूसे, राष्ट्रपति एर्दोआन की पार्टी के सांसद की हो गई पिटाई

एजेंसी

तुर्किए। तुर्किए की संसद से चौंकाने वाली तस्वीरें सामने आई हैं. संसद में बजट पर मतदान के समय सांसद अपना आपा खो बैठे और हाथापाई पर उतर आए. तुर्की की ग्रैंड नेशनल असेंबली (TBMM) की आम सभा में 2026 के बजट पर मतदान से ठीक पहले तनाव बढ़ गया. सीएचपी (CHP) के ग्रुप डिप्टी चेयरमैन मूरत अमीर उठकर एर्दोआन की एके पार्टी के बुर्सा से सांसद मुस्तफा वरंक के पास गए. अमीर के वरंक के पास जाने के साथ शुरू हुई बहस जल्दी ही हाथापाई में बदल गई. इसके वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं.

एके पार्टी के सासंद मुस्तफा वरंक बोलना चाहते थे. इसी दौरान विपक्षी इल्हामी अयगुन और मूरत अमीर उनके पास पहुंच गए. बजट को लेकर दोनों ने वरंक की पिटाई कर दी. जिसके बाद दोनों गुट की तरफ से हाथापाई शुरू हुई. बहस के बीच बिल सरकार ने पास करा लिया.

10 मिनट तक हुआ हंगामा

2026 के बजट पर मतदान से कुछ मिनट पहले तुर्की की संसद (TBMM) की आम सभा जंग का मैदान बन गई. सीएचपी के मुरात अमिर और एके पार्टी के मुस्तफा वरंक के बीच शुरू हुई बहस जल्द ही एके पार्टी और सीएचपी के सभी सांसदों की आपसी झड़प में बदल गई। लगभग 10 मिनट तक चली इस हाथापाई में मुक्केबाज़ी जैसी स्थिति बन गई और सदन में भारी अफरा-तफरी मच गई. हालात को देखते हुए टीबीएमएम अध्यक्ष नुमान कुर्तुलमुश को कार्यवाही रोकनी पड़ी.

सांसदों के बीच हुई धक्का-मुक्की

सांसदों के बीच देखते ही देखते धक्का-मुक्की शुरू हो गई और दोनों पक्षों के कई सांसदों को एक-दूसरे के करीब आते हुए और हाथापाई करते देखा गया. तनाव को शांत करना मुश्किल हो गया. इस झड़प के दौरान सामने आई एक खास तस्वीर ने काफी ध्यान खींचा–एमएचपी के सांसदों ने अपने महासचिव देवलेट बाहचेली के चारों ओर एक दीवार बनाकर उन्हें घेर लिया.

बिल हो गया पास

हालात शांत होने के बाद सांसद दोबारा आम सभा कक्ष में लौटे और इसके बाद बजट पर मतदान कराया गया. . बहस के बीच बिल सरकार ने पास करा लिया. संसद में 2026 के केंद्रीय सरकार बजट कानून प्रस्ताव और 2024 के केंद्रीय सरकार अंतिम लेखा कानून प्रस्ताव को मंजूरी दी गई. आम सभा में हुए मतदान में 249 मतों के विरोध के मुकाबले 320 मत प्रस्ताव के पक्ष में पड़े.

पहले भी हुई हाथापाई

ऐसा पहली बार नहीं है कि तुर्की की संसद में हाथापाई देखी गई हो. ऐसी तस्वीर साल 2024 में भी सामने आई है. साल 2024 में तुर्किए की संसद में हंगामा देखने को मिला था. 17 अगस्त 2024 को संसद में हाथापाई हो गई थी. संसद में तीखी बहस के बाद सत्तारूढ़ एकेपी पार्टी के सदस्यों और विपक्षी सांसदों के बीच हाथापाई हुई थी. विवाद की वजह विपक्षी सांसद की ओर से अपने सहयोगी को सदन में बुलाने की मांग थी, जो सरकार विरोधी प्रदर्शन की वजह से जेल में बंद था.

लेकिन एक सांसद चुने जाने के बावजूद कैद में हैं. वर्कर्स पार्टी ऑफ तुर्की (TIP) के सदस्य अहमत सिक ने अपने सहयोगी कैन अटाले की रिहाई की मांग की थी. वीडियो में दिखाई दिया था कि सत्ताधारी एकेपी पार्टी के सांसद मुक्का मारने के लिए दौड़ रहे थे. दर्जनों लोग इस हाथापाई में शामिल हो गए थे. कुछ दूसरों को रोकने की कोशिश कर रहे थे. मारपीट के बाद संसद की सफेद सीढ़ियों पर खून बिखरा हुआ दिखाई दिया था.

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/22/2025 11:52 PM Page 2

फसल-उत्पादन के लक्ष्य हासिल करने में पौध-संरक्षण की भूमिका महत्वपूर्ण

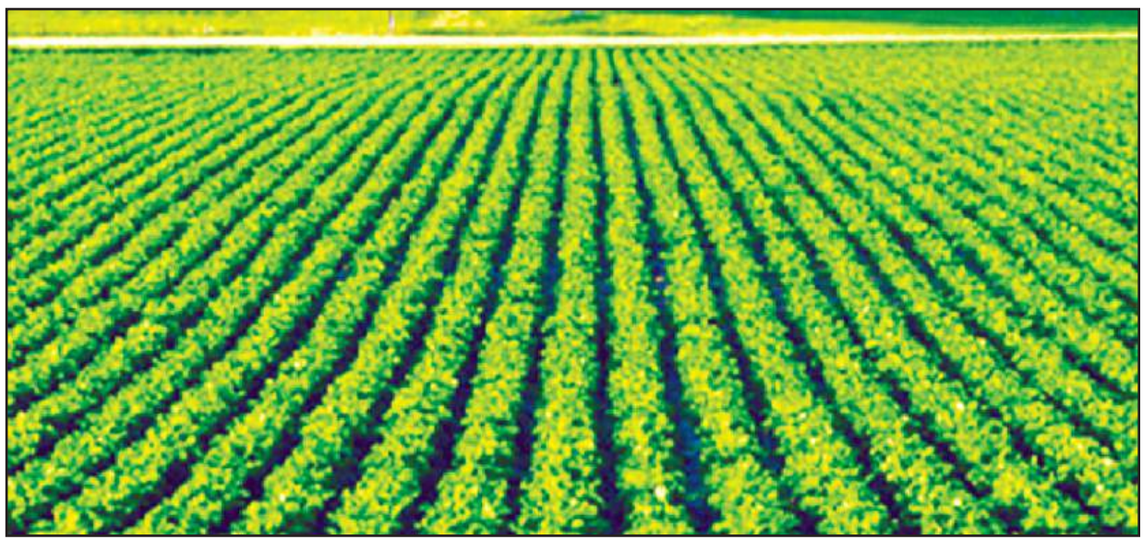

फसल-उत्पादन के लक्ष्य हासिल करने में पौध-संरक्षण की भूमिका महत्वकपूर्ण रही है। पौध संरक्षण के महत्वापूर्ण घटकों में समन्वित कीट प्रबंधन, को प्रोत्साकहन, फसल पैदावार को कीटों और बीमारियों के दुष्र भाव से बचाने के लिए सुरक्षित और गुणवत्तायुक्त कीटनाशकों की उपलब्धाता सुनिश्चित करना, ज्या दा पैदावार देने वाली नई फसल प्रजातियों को तेजी से अपनाए जाने के लिए संगरोधन (क्वाचरन्टीन) उपायों को सुचारू बनाना शामिल है। इसके अंतर्गत बाहरी कीटों के प्रवेश की गुंजाइश समाप्ति करना और पौध-संरक्षण कौशल में महिलाओं को अधिकारिता प्रदान करने सहित मानव संसाधन विकास पर भी ध्याान दिया जाता है।

भारत में कीट प्रबंधन दृष्टिकोण को मजबूत बनाने और आधुनिकीकरण के अवयव

समन्वित कीट प्रबंधन (आईपीएम) का संवर्धन

टिड्डी नियंत्रण और अनुसंधान

पौध संरक्षण में प्रशिक्षण

कीटनाशक अधिनियम का कार्यान्वयन

एकीकृत कीट प्रबंधन का संवर्धन

रासायनिक कीटनाशकों के बुरे प्रभावों कीट प्रतिरोध के विकास, कीट पुनरूत्थाहन, भोजन, चारा, हवा और पानी में मानव स्वास्थ्य के लिए खतरनाक कीटों को घटाने और पर्यावरण असंतुलन को देखते हुए भारत सरकार ने एकीकृत कीट प्रबंधन (आईपीएम) को अपनाया है। आईपीएम पारिस्थितिकी के अनुकूल है और इसका लक्ष्य कीट नियंत्रण के लिए उपलब्ध वैकल्पिक तरीके सांस्कृतिक, यांत्रिक और जैव तथा जैव कीटनाशकों का इस्तेमाल कर रासायनिक कीटनाशकों का न्यूनतम उपयोग करना है।

जैव नियंत्रण एजेंटों/जैव कीटनाशकों का उत्पादन बढ़ाने के लिए भारत सरकार ने अनुदान निर्धारित किया। आईपीएल दृष्टिकोण अपनाने के बाद कीटनाशकों का उपयोग नीचे आया है। पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित जैव कीटनाशकों के उपयोग में लगातार वृद्धि हो रही है। कुछ राज्यों में किसानों ने रासायनिक कीटनाशकों का इस्तेमाल बंद कर दिया है और जैविक खेती को अपनाया है।

टिड्डी नियंत्रण एवं अनुसंधान

टिड्डी चेतावनी संगठन जोधपुर टिड्डी निगरानी और नियंत्रण के लिए अपने टिड्डी वृत्त कार्यालयों और फील्ड स्टेशन के साथ राजस्थान, गुजरात, और हरियाणा के दो लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर नजर रखता है। अन्य टिड्डी प्रभावित देशों और एफएओ के साथ टिड्डी के संभावित आक्रमण पर नजर रखी जाती है।

पौध संरक्षण में प्रशिक्षण

1966 तक राज्यों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारत में राष्ट्रीय प्रशिक्षण की कोई सुविधा नहीं थी। इस अंतर को पाटने के लिए हैदराबाद (आंध्रप्रदेश) में 1966 में राष्ट्रीय पादप संरक्षण प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किया गया। इस संस्थान को संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा पौध संरक्षण के लिए क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान और विश्व बैंक द्वारा पादप संरक्षण प्रौद्योगिकी में उन्नत प्रशिक्षण केंद्र के रूप में मान्यता दी गई है। संस्थान में पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं और विदेशी प्रशिक्षुओं सहित अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया।

कीटनाशकों अधिनियम के कार्यान्वयन

खाद्य उत्पादन बनाए रखने के लिए फसल सुरक्षा उपायों में कीटनाशकों का उपयोग किया जाता है। ये वेक्टर जनित रोगों के नियंत्रण में भी प्रयोग में लाए जाते हैं। ये जहरीले होते हैं इसलिए इनका उपयोग संक्रामक कीटों को मारने में इनका उपयोग होता है। इनका दुरुपयोग मनुष्य, पशु, और पर्यावरण के लिए खतरनाक हो सकता है। इसलिए इनके सुरक्षित और विवेकपूर्ण इस्तेमाल की आवश्यकता है। इसे ध्यान में रखते हुए उनके आयात, निर्माण, बिक्री और उपयोग आदि को कीटनाशक अधिनियम, 1968 के तहत विनियमित किया जा रहा है। इस अधिनियम के प्रावधान किसानों को सुरक्षित, प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण कीटनाशकों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हैं।

केंद्र सरकार ने इस अधिनियम के तहत प्रशासन से उत्पन्न मामलों पर केंद्र और राज्य सरकारों को सलाह के लिए कीटनाशक अधिनियम, 1968 की धारा 4 के अंतर्गत केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड का गठन किया है। स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक बोर्ड के अध्यक्ष होते हैं। केंद्र सरकार ने मनुष्यों, पशुओं और पर्यावरण की सुरक्षा दृष्टि से फॉर्मूले की जांच और उनके प्रभाव के बाद कीटनाशकों के पंजीकरण के लिए पंजीकरण समिति का गठन किया है।

भारत सरकार ने केंद्रीय कीटनाशक प्रयोगशाला की स्थापना की है। इसका मुख्य उद्देश्य निर्माता द्वारा प्रस्तावित दावे और कीटनाशकों के गुण, प्रदर्शन और खतरों के पंजीकरण का सत्यापन है। राज्यों में कीटनाशकों के विश्लेषण के लिए क्षेत्रीय कीटनाशक परीक्षण प्रयोगशालों की स्थापना की गई है।

भारत में पौध संगरोध सुविधाएं

देश में विनाशकारी कीड़े और कीट अधिनियम, 1914 (1914 का अनियिम 2) के माध्यम से पौध संगरोध उपायों को लागू कर रहे हैं। इस अधिनियम का उद्देश्य, वे कीड़े, कवक या अन्य कीट जो फसलों के लिए विनाशकारी हो सकते हैं, को रोकना है। बीज विकास, 1988 पर नई नीति के प्रावधानों के माध्यम से डीआईपी अधिनियम, 1914 के तहत जारी पौध संगरोध (भारत में आयात विनियमन) आदेश, 2003 के अंतर्गत कृषि वस्तुओं का आयात नियंत्रित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, वैश्वीकरण और भूमंडलीकरण को ध्यान में रखते हुए पौधों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार और डब्ल्यूटीओ के तहत हुए एसपीएस के मद्देनजर पौध संगरोध का महत्व बढ़ गया है। अंतरराष्ट्रीय पौध संरक्षण सम्मेलन, 1951 के अनुसार योजना के माध्यम से कृषि वस्तुओं का निर्यात किया जा रहा है।

योजना का मुख्य उद्देश्य हैं

विदेशी कीटों फसलों के लिए विनाशकारी होते हैं, विदेशी पौधे और पौध उत्पादन को सीमित या रोक लगाकर विदेशी कीटों का विस्तार और प्रसार रोकना तथा

सक्षम तकनीकी और प्रमाणपत्र सिस्टम के जरिए उत्पादकों और निर्यातकों की मदद से व्यापारिक भागीदारों की आवश्यकताओं को पूरा करना और कृषि में सुरक्षित विश्व व्यापार की सुविधा प्रदान करना

इस योजना के तहत प्रमुख गतिविधियों में शामिल हैं-

भारतीय वनों को प्रतिकूल रोगों और विदेशी कीट से रोकने के लिए आयातित कृषि वस्तुओं का निरीक्षण

अंतरराष्ट्रीय पौध संरक्षण सम्मेलन (आईपीपीसी) के तहत आयातक देश की आवश्यकताओं के अनुसार निर्यात के लिए वस्तुओं का निरीक्षण

घरेलू संगरोध नियमों के तहत विदेशी कीट और रोगों पर नियंत्रण

पोस्ट प्रवेश संगरोध निरीक्षण के तहत रोपण सामग्री के पहचान के संबंध में निरीक्षण

पादप और पादप सामग्री के आयात आवश्यकताओं के लिए कीट जोखिम विश्लेषण (पीआरए) का आयोजन

विभिन्न हवाई अड्डों, बंदरगाहों और अन्य सीमाओं पर पौध संगरोध नियमों को लागू करने के लिए पौध संगरोध स्टेशन बनाए गए हैं। पौध संगरोध परीक्षण आदि को आधुनिक उपकरणों के साथ एनपीक्यूएस, नईदिल्ली और आरपीक्यूएस, चेन्नई, कोलकाता, अमृतसर और मुंबई में मजबूत बनाया गया है। इससे एफएओ और यूएनडीपी परियोजना के तहत आयात और निर्यात के लिए शीघ्र निकासी की सुविधा तीव्र हुई है।

विश्व व्यापार संगठन के तहत स्वच्छता उपायों के आवेदन के समझौते वैज्ञानिक आधार पर आधारित है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय मानकों/दिशानिर्देशों के अनुसार सभी पौध संगरोध निरीक्षण आचरण जरूरी है। तदनुसार महत्वपूर्ण गतिविधियों के लिए मानक विकसित किए जा चुके हैं और राष्ट्रीय मानकों के विकास के लिए छह मसौदा दिशानिर्देशों के साथ स्वीकृति की प्रक्रिया में हैं। मानकों को निर्यात में महत्वपूर्ण प्राथमिकता दी गई है। इसके अलावा कीट मुक्त क्षेत्र बनाने स्थापित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय एकीकृत फल निगरानी कार्यक्रम तैयार किया गया है। पादप संगरोध गतिविधियों को कारगर बनाने के प्रयास में शीघ्र और पारदर्शी कार्य के लिए पादप संगरोध स्टेशनों को कंप्यूटरीकृत किया जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय मानकों के विकास के लिए मानक समिति में भाग लेने सहित आईपीपीसी स्टैंडर्ड समिति के उपायों पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए काफी प्रयास किए गए हैं। इसमें ऑस्ट्रेलियन धूमन प्रत्यायन योजना के तहत धूमन सेवा प्रदाताओं, मिथाइल ब्रोमाइड नियामकों को प्रशिक्षण दिया गया है। एशिया प्रशांत बीज एसोसिएसन (एपीएसए), द्वारा आयोजित कार्यशालाओं के माध्यम से बीज व्यापार पर सहयोग, थाईलैंड, सिंगापुर के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर वार्ता और चिली के साथ काम करने की योजना, भारत और नेपाल के संयुक्त व्यापार और आर्थिक विकास के मुद्दे पर सहयोग की चर्चा हुई है।

कीटनाशक अवशेषों की निगरानी

मंत्रीमंडल सचिवालय ने कृषि, Farmers Welfare और सहकारिता विभाग को कीटनाशक अवशेषों की निगरानी सौंपी हैं। देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कीटनाशक अवशेषों के निगरानी आवश्यक है। इसके अलावा यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमारे निर्यात खेप खारिज न हो इसके लिए कीटनाशक अवशेषों की उपस्थिति घटाना जरूरी है।

स्रोत- राष्ट्री य पोर्टल विषयवस्तुष प्रबंधन दल, द्वारा समीक्षित

भाजपा जम्मू-कश्मीर ने श्रीनगर के लाल चौक पर स्वदेशी संकल्प अभियान किया शुरू

श्रीनगर, 22 दिसंबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जम्मू-कश्मीर ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिष्ठित क्लॉक टॉवर, लाल चौक श्रीनगर में स्वदेशी संकल्प अभियान के बैनर तले एक जागरूकता शिविर और शपथ समारोह का आयोजन किया।

यह कार्यक्रम घर-घर स्वदेशी - हर घर स्वदेशी विषय पर आयोजित किया गया था जो आर्थिक आत्मनिर्भरता और स्वदेशी विकास के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। इस कार्यक्रम में राज्य महासचिव संजीता डोगरा (कार्यक्रम प्रभारी) और अनवर खान उपस्थित थे। बिलाल पार्रे सह-प्रभारी सभी सेल जम्मू-कश्मीर और कार्यक्रम सह-प्रभारी, डीडीसी एर। ऐजाज़ हुसैन, वकील। शेख सलमान, जिला अध्यक्ष श्रीनगर। कार्यक्रम में सुनीता रैना, जावेद अहमद और उमर राथर और अन्य लोग उपस्थित थे जिसमें भाजपा कार्यकर्ताओं, स्थानीय निवासियों और समाज के विभिन्न वर्गों के नागरिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जो स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक प्रतिज्ञा लेने के लिए बड़ी संख्या में एकत्र हुए। सभा को संबोधित करते हुए, सुनीता डोगरा ने स्थानीय उद्योगों को मजबूत करने, रोजगार के अवसर पैदा करने और भारत की यात्रा को तेज करने में स्वदेशी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

भाजपा कर्मचारी प्रकोष्ठ ने जम्मू में परिचयात्मक बैठक आयोजित की

जम्मू, 22 दिसंबर (हि.स.)। राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि की जम्मू-कश्मीर भाजपा कर्मचारी सेल की एक बैठक सैनिक कॉलोनी जम्मू में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पी.सी. ने की। शर्मा सेल के संयोजक और सह-संयोजक अभय कुमार महाजन आईपीएस, एसएसपी (सेवानिवृत्त) और संतोष शर्मा सह-संयोजक हैं। यह बैठक कर्मचारी प्रकोष्ठ के नव घोषित राज्य कार्यकारिणी सदस्यों के साथ-साथ विभिन्न जिला स्तरों पर प्रकोष्ठ के सदस्यों सहित प्रकोष्ठ के अन्य प्रमुख सदस्यों के साथ बातचीत के लिए परिचयात्मक थी। बैठक में विभिन्न अनुभव वाले विभिन्न सरकारी विभागों के प्रतिष्ठित सेवानिवृत्त कर्मचारियों का जमावड़ा देखा गया जो सेल की व्यापक अपील और राष्ट्र की सेवा करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। सभा में शिक्षा, राजस्व, पुलिस, वन और सशस्त्र बलों के सम्मानित सेवानिवृत्त अधिकारी उपस्थित थे जो अपने साथ अनुभव और विशेषज्ञता का खजाना लेकर आए थे। उनकी उपस्थिति ने न केवल इस अवसर को विश्वसनीयता प्रदान की, बल्कि विभिन्न विभागों और क्षेत्रों के कर्मचारियों को एकजुट करने की सेल की क्षमता के प्रमाण के रूप में भी काम किया। बैठक का प्राथमिक उद्देश्य पार्टी की वृद्धि और विकास में योगदान देने के लिए सेवारत और सेवानिवृत्त दोनों कर्मचारियों से समर्थन जुटाना था

आस्था संबंधी टिप्पणी पर भाजपा ने उमर अब्दुल्ला की आलोचना की

जम्मू, 22 दिसंबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता डॉ. अभिजीत सिंह जसरोटिया ने सोमवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला पर तीखा जवाबी हमला करते हुए उन पर आस्था, कल्याणकारी योजनाओं और योग्यता-आधारित शासन का मजाक उड़ाने और अपनी राजनीतिक विरासत को आसानी से भूलने का आरोप लगाया। डॉ. अभिजीत सिंह जसरोटिया, जम्मू-कश्मीर भाजपा के मीडिया सह-संयोजक संजय बख्शी के साथ पार्टी मुख्यालय त्रिकुटा नगर जम्मू मेंद्ध एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

कोहरा से सब्जियों को नुकसान

ठंड के मौसम में कोहरा दिसंबर से लेकर आधे जनवरी तक रहता है कोहरा पड़ने पर सबसे पहले सब्जी वाली फसलों की पत्तियां प्रभावित होती हैं। इसके बाद टहनियाँ, फिर फसल में लगी सब्जियां प्रभावित होती हैं उसके बाद पौधे सूखने लगते हैं.

कोहरा पढ़ने पर सब्जियों के पौधे की पत्तियों पर पहले काला या भूरा दानेदार धब्बा बनाना शुरू होता है, उसके बाद टहनियों पर भी काले दानेदार धब्बे बनते हैं। और फिर उसी तरह सब्जियों में लगे फलों पर भी छोटे धब्बे बनते है.

कोहरे का असर फसलों पर तुरंत नहीं होता है बल्कि 1 सप्ताह बाद फसलों पर कोहरे के असर दाग और धब्बे के रूप में दिखाई देता है। इसलिए कोहरे से फसलों को बचाने के लिए समय रहते अच्छे फफूंद नाशक रसायन का छिड़काव करना चाहिए.

सर्दियों के मौसम में सब्जीयों को सबसे ज्यादा नुकसान पाले से होता है। इन दिनों सब्जी वाली फसलों में कीट और रोग बहुत कम लगते हैं. और जितना नुकसान सब्जियों को ठंड के मौसम में कीड़ों से नहीं होता, उससे अधिक कोहरा और पाला पड़ने से होता है.

सर्दियों में पाला 25 जनवरी के बाद पड़ना शुरू होता है, इसके पहले कोहरा पड़ता है। पाले की तुलना में कोहरे से सब्जियों को बहुत कम नुकसान होता है। इन दिनों यदि समय रहते सब्जियों की देखरेख न किया जाय तो एक ही रात में पूरी फसल बर्बाद हो जाता है.

अत: आज के इस पोस्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं कि सर्दियों के मौसम में सब्जी के फसलों को पाले से बचाने के लिए क्या करना चाहिए। तथा पाला पड़ने पर सब्जियों को क्या नुकसान होता है.

कोहरा क्या होता है

कोहरा सर्दियों के सीजन में उत्तर प्रदेश, बिहार, नई दिल्ली के साथ-साथ अन्य राज्यों में पड़ता है। कोहरा भाप या धुएं की तरह जमीन पर और आकाश में रहता है, कोहरा पड़ने पर मौसम कुछ शुष्क रहता है। सर्दियों के मौसम में जब कोहरा होता है तब गलन काफी कम होती है। लेकिन जब घना कोहरा होता है तब 30 फिट की दूरी पर को भी पेड़-पौधा नहीं दिखाई देता है.

पाले से फसलों को नुकसान

कोहरे की अपेच्छा पाले से फसलों को अधिक नुकसान होता है. सब्जियों के जिस भी फसल पर पाले का असर होता है वह फसल एक साथ काला पड़ जाता है पत्तियाँ सहित पेड़ और उसमें लगे फलों पर काले पड़ जाते है. और फिर इस पर किसी भी दवाओं का कोई असर नहीं होता है।

लेकिन कुछ फसलें ऐसी होती हैं जिन पर कोहरा और पाला का कोई असर नहीं होता है. क्योंकि इनके लिए सर्दी का मौसम ही उपयुक्त होता है। जैसे- गेहूं, सरसों, पत्ता गोभी, फूल गोभी, धनियां.

सर्दियों में धुँए से फसलों को बचाने का उपाय

कोहरे और पाले से सब्जियों को बचाने के लिए धुएं का भी प्रयोग किया जाता है। पुराने जमाने मे जब रासायनिक दवा का छिड़काव बहुत कम होता था और गरीब किसान महंगे दवा खरीदने में सक्षम नहीं होते थे। तब गांव के सभी किसान अपने खेतों में हवा के विपरीत दिशा में आग जलाकर धुएं कर दिया करते थे.

तो यह तरीका आज भी काम करता है। आज भी गांव के किसान कोहरा और पाला पड़ने पर खेतों में ईंधन जलाकर धुएँ करते हैं.

सिंचाई द्वारा पाले से बचाव

शीतलहर, कोहरा और पाले से सब्जियों का बचाव करने के लिए खेतों में हल्की सिंचाई कर देनी चाहिए. और सिंचाई हो सके तो हमेशा शाम को करना चाहिए क्योंकि रात में पाले अधिक पड़ते हैं.

पाला कब पड़ता है?

सर्दियों के मौसम में जब तापमान के हिमांक बिन्दु से नीचे जाने लगती है तब पानी बर्फ बनने लगती है और उस समय ओस बर्फ के रूप में पाला बनकर पड़ती है.

पाले से फसल को बचाने के लिए क्या करना चाहिए?

पाले से फसल को बचाने के लिए रसायनों का छिड़काव, लकड़ी का धुआं और सिंचाई करना चाहिए.

पाले से कौन से फसल जल्दी प्रभावित होता है?

सर्दियों में पाले से टमाटर, बैंगन, मिर्च, आलू अधिक प्रभावित होती है.

सब्जियों और फसलों को शीतलहर तथा पाले से बचाने का सबसे अच्छा तरीका

कोहरे से सब्जियों को बचाना

कोहरे से सब्जी की फसलों को बचाने के लिए 1 सप्ताह के अन्तराल पर बायर का लूना, अमिस्टार या कस्टोडिया का 15 ml दवा प्रति 15 लीटर पानी मे घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए.

इसके अलावा मेरिवान फफूंद नाशक रसायन का 10ml दवा प्रति 165 लीटर पानी मे घोल बनाकर जब फसलों पर ओस न हो तब छिड़काव करना चाहिए। इसके साथ ही इसमें 25 ग्राम बोरान भी मिला देने चाहिए.

पाला क्या होता है

सर्दियों में पाला आधे जनवरी के बाद से लेकर लगभग फरवरी महीने के आखिरी तक पड़ता है, इसमें कोहरा नहीं होता है बल्कि गलन होता है। और कभी-कभी तेज हवा भी चलती है और वायुमंडल में नमी की मात्रा बहुत बढ़ जाती है.

किसी दिन तो ऐसा होता है कि रात के बाद जब सुबह होता है तो मौसम एकदम साफ होता है और देखने को मिलता है कि फसलों की पौधों पर तथा जमीन और घास-फूस पर सफेद गेहूं की आटे की तरह बारीक बर्फ पड़े होते हैं। यहां तक कि बर्तन में रखा बासी पानी भी बर्फ की तरह ठंडा हो जाता है.

पाले से सब्जियों का ऐसे करें बचाव

सबसे पहले तो खेतों में सर्दियों के मौसम में नमी बनाए रखना चाहिए, उसके बाद 6 दिन के अंतराल पर 10 ग्राम नेटिवो या 10ml मेरिवान रसायन का 15 लीटर पानी मे घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए.

सर्दियों में कोहरे और पाले से फसलों को बचाने के लिए सब्जी की फसल को उचित दूरी पर लगाना चाहिए, क्योंकि अधिक घना होने पर नीचे पर्याप्त धूप नहीं मिल पाने के कारण उस स्थान पर सड़न होने लगती है और यह सड़न पूरे खेत मे फैल जाती है.